आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 176 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, व भोपाल, रायपुर व बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, सोमवार, 30 जून, 2025

अहमदाबाद में स्थापित होगा मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम का कार्यालय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में निवेश अवसरों पर सूरत (गुजरात) में इन्टरैक्टिव सेशन को किया संबोधित

सूरत इंटरेक्टिव सेशन में 15,710 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए प्राप्त

11 हजार रोजगार का होगा सृजन : सीएम डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने तथा प्रदेश में निवेश प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम का एक कार्यालय अहमदाबाद में आरंभ किया जाएगा। मध्यप्रदेश में निवेश आकर्षित करने की पहल सूरत में रंग लाई जहां निवेशकों से 15,710 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए हैं। इन प्रस्तावों के फलीभूत होने पर 11,250 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। औद्योगिक तथा व्यापार गतिविधियों को विस्तार देने के लिए प्रक्रियाओं में सरलता, सुगमता, निष्पक्षता, पारदर्शिता और समय सीमा का पालन महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार इन सभी बिंदुओं के साथ प्रदेश में पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाते हुए प्रदेश भारी उद्योग, एमएसएमई सहित लघु और कुटीर उद्योगों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सूरत ऐतिहासिक रूप से देश- दुनिया में उद्योग और व्यापार का प्रमुख केंद्र रहा है। प्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से औद्योगिक समूहों से जुड़ाव बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा यह इन्टरैक्टिव सेशन आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर होटल मेरियट सूरत में आयोजित इन्टरैक्टिव सेशन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में राज्य के औद्योगिक विकास के दीर्घकालिक दृष्टिकोण, अधोसंरचना विस्तार और निवेशकों के लिए बनाए गए भरोसेमंद वातावरण पर प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के भौगोलिक विस्तार, औद्योगिक क्षमताओं, अधोसंरचना और नीतिगत नवाचारों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश की 39 प्रतिशत कृषि विकास दर, विभिन्न उद्योगों के लिए आवश्यक स्किलस से युक्त मानव संसाधन और पर्याप्त खनिज उपलब्धता राज्य को सभी सेक्टर्स के लिए उपयुक्त बनाते हैं। प्रदेश में वस्त्र उद्योग, फार्मास्युटिकल, स्वास्थ्य,पर्यटन सहित सभी क्षेत्रों में विस्तार की पर्याप्त संभावना है। हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि सब्सिडी डीबीटी के माध्यम से सीधे संबंधित के बैंक खाते में पहुंचनी चाहिए। सरकार ने छोटे और बड़े सभी कारोबारियों को उनके हक का एक-एक रुपया भेजने का कार्य किया है।

उद्योग-व्यापार संचालन के लिए प्रक्रियाओं में सरलता,पारदर्शिता, निष्पक्षता और समय सीमा के पालन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध, मध्यप्रदेश भारी उद्योग, एमएसएमई और कुटीर उद्योगों में तेजी से बढ़ रहा है आगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात भारत ही नहीं दुनिया में सिरमौर है। उन्होंने महात्मा गांधी और सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कुछ ही वर्षों में विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में शामिल हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज सुरक्षित और समृद्ध है। अयोध्या में बना भव्य श्रीराम मंदिर, महाकाल महालोक और वाराणसी का बदला स्वरूप प्रधानमंत्री श्री मोदी की आभा का विस्तार कर रहा है। गुजरात ने ही देश को सरदार वल्लभ भाई पटेल और श्री अमित शाह जैसे विलक्षण गृह मंत्री दिए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात वासियों ने अपनी क्षमता, योग्यता और प्रबंधन के बलबूते पर व्यापार, उद्योग और तकनीक के क्षेत्र में श्रेष्ठता स्थापित की है। गुजरात वासियों ने देश-दुनिया में अपनी विशेष पहचान बनाई है। न्यूनतम संसाधनों में श्रेष्ठतम जीवन जीने और व्यापार- उद्योग संचालन के उनके कई उदाहरण सभी के सामने हैं। मध्यप्रदेश के पन्ना से निकला हीरा गुजरात के सूरत में ही तराशा जाता है, इसी प्रकार मध्यप्रदेश भले ही कॉटन केपिटल हो लेकिन कपड़ा और साड़ी उद्योग तो सूरत से ही संचालित हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सूरत सहित गुजरात के उद्योग समूहों की गतिविधियों का विस्तार मध्यप्रदेश में भी हो इसी उद्देश्य से यह इन्टरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया है। राज्य सरकार उद्योग-व्यापार तथा निवेश गतिविधियों के विस्तार में हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टेक्सटाइल, केमिकल, फार्मा, इंजीनियरिंग और जेम्स और ज्वैलरी सेक्टर के 18 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों/कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से वन-टू-वन बैठक में विस्तृत चर्चा की।

शानदार ईको-सिटम और निवेश फ्रेंडली वातावरण युक्त आदर्श स्थल है मध्यप्रदेश

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव श्री राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में निवेश संवर्धन के लिए देश विदेश में कई कार्यक्रम किये गए है और अभी तक लगभग 1 लाख किलोमीटर की यात्रा की गई है। देश के केंद्र में मध्यप्रदेश स्थित सबसे खूबसूरत और संभावनाओं से परिपूर्ण राज्य है, जो हर प्रकार के उद्योग के लिए उपयुक्त ईको-सिस्टम उपलब्ध कराता है। राज्य में 1 लाख एकड़ से अधिक लैंड बैंक, 340 से अधिक इंडस्ट्रियल पार्क और हर सेक्टर के लिए विशेषीकृत क्लस्टर विकसित किए गए हैं - जिनमें आईटी पार्क, फूड प्रोसेसिंग, गारमेंट्स, प्लास्टिक, टेक्सटाइल और फार्मा पार्क शामिल हैं। यहाँ की इंडस्ट्रियल पॉलिसी और लॉजिस्टिक नेटवर्क देश में सर्वश्रेष्ठ हैं, जिससे न केवल मैन्युफैक्चरिंग बल्कि निर्यात के लिए भी मजबूत आधार प्राप्त होता है। राज्य की एमएसएमई नीति और लॉजिस्टिक्स पॉलिसी ने उद्यमिता को नई गति दी है। नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एक्सप्रेस-वे कनेक्टिविटी, 1000 मिलियन क्यूबिक मीटर जल आपूर्ति क्षमता, निर्बाध पॉवर की सप्लाई और 10 से 40 प्रतिशत तक की सब्सिडी राज्य को निवेशकों के लिए आकर्षक बनाती है। गुजरात के सूरत जैसे औद्योगिक शहरों के निवेशकों ने मध्यप्रदेश को अपनी दूसरी कर्मभूमि के रुप में अपनाया है। लैंड अलॉटमेंट की प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी, तेज और हेजल-फ्री है, जिससे निवेशकों को बिना किसी रुकावट के प्रोजेक्ट शुरु करने का अवसर मिलता है।

धार में प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल पार्क का शुभारंभ अगले दो माह में

मध्यप्रदेश के धार में प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (PM MITRA) पार्क का शुभारंभ अगले दो माह में प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा। यह पार्क 2 हजार एकड़ में 2 हजार करोड़ रूपये के निवेश के साथ प्लग एंड प्ले सुविधा, सोलर प्लांट, सेंट्रलाइज्ड स्टीम बॉयलर के साथ स्थापित किया जा रहा है। गुजरात के प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश में अपने औद्योगिक अनुभव साझा किए। मिलेनियम बेबी केयर और केयर फिट इंडस्ट्रीज के ओनर एवं फाउंडर श्री राम प्रकाश बेरिया ने मध्यप्रदेश में अपने उद्योग स्थापना एवं संचालन के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि मैं वर्ष 2016 से मध्यप्रदेश में कार्य कर रहा हूं और इस दौरान मैंने महसूस किया है कि यहां का औद्योगिक वातावरण बेहद सकारात्मक, सहयोगपूर्ण और नीति-समर्थ है। राज्य सरकार ने सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम को प्रभावी बनाया है। उन्होंने बताया कि कंपनी मिलेनियम बेबी केयर लिमिटेड ने इंदौर में 400 करोड़ रु. का निवेश किया है और वर्तमान में 200 करोड़ रु. की एक्सपेंशन प्रक्रिया चल रही है। इसके अतिरिक्त, हमारे ग्रुप की अन्य कंपनियां भी राज्य में 600 करोड़ रु. के नए निवेश की योजना पर कार्य कर रही हैं। वेलस्पन वर्ल्ड के ग्रुप प्रेसिडेंट श्री चिंतन ठाकर ने मध्यप्रदेश को उद्योग के लिए विश्वसनीय स्थान बताया और लॉजिस्टिक व एमएसएमई नीति की सराहना की। टोरंट पावर के डायरेक्टर श्री जिगेश भाई मेहता ने राज्य में उत्कृष्ट अधोसंरचना और प्रशासनिक सक्रियता की सराहना की। एसआरके ग्रुप के अध्यक्ष श्री गोविन्दभाई धोलकिया ने कहा कि गुजरात के कई उद्योगपति मध्यप्रदेश को अपना दूसरा घर मानते हैं और यहां निवेश को लेकर उन्हें पूरी सहूलियत, पारदर्शिता और भरोसा मिलता है। सभी वक्ताओं ने मुख्यमंत्री और प्रशासन की सकारात्मक सोच को प्रदेश की औद्योगिक प्रगति का मूल आधार बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से विभिन्न उद्योग घरानों के उद्योगपतियों ने भी वन-टू-वन चर्चा कर मध्यप्रदेश के विभिन्न हिस्सों में निवेश करने और उद्योग स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने निवेशकों का मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिए स्वागत किया और कहा कि सरकार उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्टरैक्टिव सेशन का दीप प्रज्जवलित कर उदघाटन किया। सूरत में आयोजित 'इंटरेक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश' संवाद सत्र में उद्योग जगत के 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मन की बात का 123वां एपिसोड : PM बोले-

इमरजेंसी में लोगों को प्रताड़ित किया

एजेंसी ● नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने आज रेडियो शो 'मन की बात' के 123वें एपिसोड के तहत देश को संबोधित किया। एपिसोड की शुरुआत में उन्होंने योग दिवस के बारे में बात की। उन्होंने कहा- 21 जून को देश-दुनिया के करोड़ों लोगों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में हिस्सा लिया। योग की भव्यता बढ़ती जा रही, लोग दैनिक जीवन में इसे अपना रहे।

पीएम ने कहा- इस बार हमने योग दिवस की आकर्षक तस्वीरें देखीं। विशाखापत्तनम में 3 लाख लोगों ने एक साथ योग किया। हमारे नौसेना ने जहाजों पर और जम्मू में लोगों ने दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज पर योग किया। वडनगर में 2100 लोगों ने एक साथ भुजंगासन करके रिकॉर्ड बना दिया। पीएम ने आगे कहा- इमरजेंसी के दौर में लोगों को प्रताड़ित किया गया। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गई। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। उन पर ऐसे ही अमानवीय अत्याचार किए गए। आखिर में जनता की जीत हुई और आपातकाल हटा लिया गया। जनता की जीत हुई और आपातकाल लगाने वालों की हार हुई।

भारत ट्रेकोमा मुक्त हुआ

मैं आपको दो ऐसी उपलब्धियों के बारे में बताना चाहता हूं जो आपको गर्व से भर देंगी। पहली उपलब्धि स्वास्थ्य से जुड़ी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रेकोमा मुक्त घोषित कर दिया है। यह सफलता हमारे स्वास्थ्य कर्मियों की है। आज जब हर घर नल से जल पहुंच रहा है तो ऐसी बीमारियों का खतरा कम हुआ है।

95 करोड़ लोग सरकारी योजनाओं के लाभार्थी: इंटरनेशनल लेबल ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट आई है। इसमें सामने आया है कि देश के 95 करोड़ लोग किसी न किसी सरकारी योजना का लाभ उठा रहे हैं। इन सफलताओं ने एक विश्वास दिलाया है कि आने वाले समय में भारत और सशक्त होगा। साथियों, जनभागीदारी से देश और आगे बढ़ रहा है।

कैलाश श्रद्धा का केंद्र: धार्मिक यात्राएं सेवा के अवसर का महाअनुष्ठान होती है। जितने लोग यात्रा में जाते हैं उससे ज्यादा लोग उनकी सेवा में जुट जाते हैं। लंबे समय के बाद कैलाश मानसरोवर की यात्रा शुरु हुई है। हिंदू, बौद्ध, जैन सभा परंपरा में कैलाश को श्रद्धा का केंद्र माना गया है।

मेघालय के एरी सिल्क को GI टैग मिला: मन की बात में देश के यूनीक प्रोडक्ट की बात करते हैं। कुछ दिन पहले मेघालय का एरी सिल्क को जीआई टैग मिला है। इस सिल्क की कई ऐसी खूबियां जो इसे अन्य फैब्रिक से अलग बनाती है।

बोडोलैंड में 70 हजार फुटबॉल खिलाड़ी

बोडोलैंड आज अपने नए रुप के साथ देश के सामने खड़ा है। बोडो टेरिटोरियल एरिया में 3 हजार से ज्यादा टीम और 70 हजार से ज्यादा खिलाड़ी फुटबॉल खेल रहे हैं। एक समय था जब बोडोलैंड संघर्ष कर रहा था। आज यहां से निकले फुटबॉल खिलाड़ी अपनी पहचान बना रहे हैं।

पर्यावरण को बचाने निकले कई साथी: हमने इस महीने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। कई लोगों ने अपने आस पास के उन साथियों के बारे में बताया जो अकेले ही पर्यावरण बचाने निकल गए। पुणे के रमेश खरमाडे जी जुन्नर की पहाड़ियों की ओर निकल पड़ते हैं। वे झाड़ियां साफ करते हैं और पानी रोकने के लिए ट्रेंच बनाते हैं। नतीजा यह हुआ कि यहां वन्य जीवन को नई सांसे मिल ही हैं।

प्रधानमंत्री के विचारों ने बढ़ाया उत्साह : मुख्यमंत्री साय

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सुना और इसे प्रेरणादायी बताया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों, जन-भागीदारी और सकारात्मक प्रयासों की चर्चा करते हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित लोगों को पहचान और सम्मान मिलता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ में जनभागीदारी के साथ स्वास्थ्य और प्रकृति की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज के 'मन की बात' कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपयोगी जानकारियां साझा की। प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चल रहे नवाचारों के बारे में बताया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जीवन में छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का आधार बनते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह दृष्टिकोण हम सभी को प्रेरित करता है और यदि हम नियमित रूप से छोटे लेकिन सार्थक कदम उठाएं, तो समाज और देश में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

इस अवसर पर निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज, केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक राजेश मूणत, विधायक अनुज शर्मा, विधायक राजेश अग्रवाल, विधायक संपत अग्रवाल, विधायक प्रबोध मिंज, डॉ. वर्णिका शर्मा, दीपक म्हस्के, अमरजीत छाबड़ा, रामसेवक पैंकरा, श्रीमती शालिनी राजपूत सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद भगदड़, 3 की मौत : 50 घायल

CM माझी ने माफी मांगी, 2 अफसर सस्पेंड, कलेक्टर-SP को हटाया

एजेंसी ● भुवनेश्वर

ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद रविवार तड़के करीब 4 बजे भगदड़ मच गई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 घायल हो गए। घायलों में 6 की हालत गंभीर है। हादसा जगन्नाथ मंदिर से करीब 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर के सामने हुआ। यहां भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के दर्शन करने के लिए भारी भीड़ जुटी थी, इसी दौरान भगदड़ मची।

CM मोहन चरण माझी ने घटना पर माफी मांगी है। उन्होंने X पर लिखा, 'मैं और मेरी सरकार भगवान जगन्नाथ के सभी भक्तों से व्यक्तिगत रूप से क्षमा मांगते हैं। यह लापरवाही माफ करने लायक नहीं है।' इसके बाद राज्य सरकार ने पुरी के कलेक्टर और SP का तबादला कर दिया। चंचल राणा को नया कलेक्टर और पिनाक मिश्रा को नया SP बनाया गया है। साथ ही DCP और कमांडेंट को निलंबित कर दिया गया है।

जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा, लोगों में दर्शन की होड़ लग गई

पुरी की रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों को उनकी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर के सामने 9 दिन के लिए खड़ा कर दिया जाता है। यहां बलभद्र और सुभद्रा के रथ पहले पहुंच चुके थे। जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा, जिससे लोगों में उसके दर्शन करने की होड़ लग गई। इसी दौरान भगदड़ मची, जिसमें गिरने से कई लोग कुचल गए। बताया जा रहा है कि घटना के समय वहां पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था। हादसे में मारे गए लोगों के नाम बसंती साहू (36), प्रेमकांति महांति (78) और प्रभाती दास हैं। इनके शव पुरी मेडिकल कॉलेज में रखे गए हैं।

चंद्रशेखर नजरबंद

समर्थकों ने किया बवाल : 15 गाड़ियां तोड़ीं, सड़क पर पलटाईं; ईंट-पत्थर फेंके, महिलाएं-बच्चे घायल

प्रयागराज। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा सांसद चंद्रशेखर आजाद को रविवार को प्रयागराज में हाउस अरेस्ट कर लिया गया। वह कौशांबी और करछना में हाल में हुई घटनाओं के पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने जा रहे थे। फिर वह अपने समर्थकों के साथ सर्किट हाउस में ही धरने पर बैठ गए। वहीं, हाउस अरेस्ट के विरोध में चंद्रशेखर के 5000 समर्थकों ने करछना इलाके में सड़क पर जमकर हंगामा किया। पुलिस की गाड़ियां तोड़ दीं और बसों पर पथराव कर दिया। पुलिस की 8 और बसों समेत 7 प्राइवेट गाड़ियों में तोड़फोड़ की। भडेवरा बाजार में पुलिस और आम नागरिकों पर ईंट-पत्थर बरसाए।

जनगणना 2027- पहला फेज 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगा

घरों की लिस्टिंग होगी; राज्यों को निर्देश 31 दिसंबर 2025 तक सीमांकन पूरा करें

एजेंसी ● नई दिल्ली

जाति गणना के साथ भारत की 16वीं जनगणना 2027 में की जाएगी। जनगणना लद्दाख,जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में 1 अक्टूबर 2026 को और 2027 को देश के बाकी हिस्सों में होगी।

जनगणना दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण हाउसलिस्टिंग ऑपरेशन में हर घर की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं की जानकारी इकट्ठा की जाएगी। केंद्र सरकार ने सभी विभागों को 31 दिसंबर 2025 से पहले नगर निगमों, राजस्व गांवों, तहसीलों, उप-विभागों या जिलों की सीमाओं में कोई भी प्रस्तावित बदलाव करने का निर्देश जारी किया गया है। यह 16वीं और स्वतंत्रता के बाद 8वीं जनगणना है। यह जनगणना 16 साल बाद की जाएगी, क्योंकि पिछली जनगणना 2011 में की गई थी। महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि 1 अप्रैल 2026 से मकानों की लिस्टिंग, सुपरवाइजर्स और गणना कर्मचारियों की नियुक्ति, काम का बंटवारा किया जाएगा। 1 फरवरी 2027 को जनसंख्या की जनगणना शुरू होगी।

राजा मर्डर केस में रतलाम में सर्चिंग, इंदौर के घर में भी तलाशे सोनम के जेवर-दस्तावेज

शिलॉन्ग पुलिस ने शिलोम के ससुराल से बैग किया जब्त

संवाददाता ● इंदौर

ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड की जांच में जुटी शिलॉन्ग एसआईटी की टीम ने ब्रोकर-कॉन्ट्रैक्टर शिलोम जेम्स के रतलाम स्थित ससुराल में तलाशी ली। शिलोम के साथ उसकी पत्नी और साली भी मौजूद थी। टीम ने यहां से एक बैग जब्त किया है। इसमें लैपटॉप होना बताया जा रहा है। शिलॉन्ग पुलिस दो कारों से रविवार दोपहर 3 बजे मंगलमूर्ति कॉलोनी में पहुंची थी। यहां जेम्स का ससुराल है। मकान म्यूचल फंड का काम करने वाले उसके ससुर मनोज गुप्ता का है।पिछले 10 से 15 दिन से इस घर पर ताला लगा हुआ था।

कार्रवाई

यहां करीब 1 घंटे तलाशी के बाद शिलॉन्ग पुलिस शिलोम को लेकर इंदौर रवाना हो गई। शिलॉन्ग पुलिस अधिकारी से जब दैनिक भास्कर ने बात करना चाहिए तो उन्होंने नो कमेंट्स कह दिया। पार्ट ऑफ इन्वेस्टिगेशन कहा और कार में बैठ गए। वे पत्नी और साली को लेकर साथ नहीं गए। दोनों को इंदौर से लेकर आए थे।

इंदौर में भी शिलोम के घर में सर्चिंग

राजा रघुवंशी हत्याकांड की जांच में जुटी शिलॉन्ग एसआईटी की टीम शनिवार को फिर इंदौर पहुंची थी। देर रात टीम ने इंदौर क्राइम ब्रांच के साथ मिलकर महालक्ष्मी नगर स्थित ब्रोकर-कॉन्ट्रैक्टर शिलोम जेम्स के घर की तलाशी ली थी। करीब आधे घंटे तक चली सर्चिंग में अफसरों ने कई दस्तावेजों की पड़ताल की। दरअसल, शिलॉन्ग पुलिस को आशंका है कि सोनम के काले बैग से गायब गहने शिलोम ने ही छिपाए हैं। इन्हीं की तलाश में टीम ने पहले इंदौर और फिर रतलाम में छानबीन की। इससे पहले गुरुवार को एसआईटी, अपने साथ बिल्डिंग के मालिक लोकेंद्र सिंह तोमर, ब्रोकर-कॉन्ट्रैक्टर शिलोम जेम्स और सिक्योरिटी गार्ड बलवीर अहिरवार को इंदौर से शिलॉन्ग ले गई थी। एसआईटी ने शिलॉन्ग कोर्ट में पेश कर तीनों को 6 दिन की रिमांड पर लिया है।

सबूत मिटाने और उनसे छेड़छाड़ करने का आरोप

राजा की हत्या के बाद सोनम शिलॉन्ग से लौटकर इंदौर की जिस बिल्डिंग के फ्लैट में रुकी थी, उसके मालिक लोकेंद्र तोमर को 23 जून को ग्वालियर से गिरफ्तार किया गया था। ये बिल्डिंग करीब चार महीने पहले शिलोम जेम्स ने किराए पर चलाने के लिए ली थी। बलवीर यहां गार्ड और कारपेंटर का काम करता था। राजा के मर्डर की खबरें देखने-सुनने के बाद शिलोम को पता लगा कि विशाल ने जिस फ्लैट को किराये पर लिया था, उसमें सोनम रुकी थी। शिलोम ने यह बात लोकेंद्र को बताई। लोकेंद्र ने फ्लैट की तलाशी लेने के बाद बैग हटाने की बात कही। बाद में खुद इंदौर आया। बैग में रखे रुपए और पिस्तौल लेकर वापस चला गया। उसके कहने पर ही शिलोम ने सोनम का बैग जला दिया। पुलिस ने लोकेंद्र, शिलोम और बलवीर को सबूत मिटाने और उनसे छेड़छाड़ करने का आरोपी बनाया है।

नाले से जब्त की गई थी पिस्टल

शिलोम ने लोकेंद्र तोमर से उसकी इंदौर स्थित बिल्डिंग लीज पर ली थी। फिर उसका जी-1 फ्लैट विशाल चौहान को किराए पर दिया था। राजा रघुवंशी की हत्या के बाद सोनम और राज इसी फ्लैट में रुके थे। फिर एक बैग छोड़कर फरार हो गए थे। शिलोम ने चौकीदार बलवीर की मदद से वह बैग महालक्ष्मी नगर इलाके में जलाया था। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से जली हुई सिम और अन्य अहम चीजें जब्त की थीं। पूछताछ में शिलोम ने पहले कहा था कि बैग से मिली पिस्टल लोकेंद्र के पास है। बाद में बताया कि पिस्टल और लैपटॉप उसने इंडस्ट्री हाउस के पास नाले में फेंक दिए थे। तलाशी के दौरान एसआईटी को वहां से थैली में बंद पिस्टल मिल गई थी।

शॉट न्यूज

चोरी का सामान सस्ते में बेच रहे थे, खरीदार बनकर पहुंची पुलिस

इंदौर। द्वारकापुरी पुलिस ने चोरी की वारदात कर सस्ते दाम में माल बेचने वाले बदमाशों को पकड़ा है। जानकारी मिलने पर पुलिस खरीदार बनकर पहुंची थी। आरोपियों के पास से साढ़े तीन लाख रुपए का माल भी बरामद किया है। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि कुछ दिनों पहले द्वारकापुरी इलाके में नकबजनी की घटना हुई थी, जिसमें केस भी दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस को जानकारी मिली की दिग्विजय मल्टी के पास कुछ लड़के सस्ते दाम में सोने के आभूषण बेच रहे है सस्ते दाम में। इस पर द्वारकापुरी पुलिस ने घेराबंदी की और खुद खरीदार बनकर उनके पास पहुंची। इसके बाद तीन युवकों सहित एक नाबालिग को पकड़ा। युवकों से पूछताछ की तो उन्होंने नकबजनी की वारदात को अंजाम देना बताया।

पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचे डीजीपी

इंदौर। मध्यप्रदेश पुलिस के मुखिया कैलाश मकवाना रविवार को इंदौर पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचे। वे यहां उन्होंने अपराध और शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों पर जिले के पुलिस अफसरों से बात की। वहीं आमजन से पुलिस को लेकर सीधे फीडबैक के लिए क्यूआर कोड का अनावरण भी किया। डीजीपी के कंट्रोल रूम पहुंचने पर सीपी संतोष सिंह ने गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। डीजीपी के आने के पहले राजेंद्र नगर, तेजाजी थाना परिसर की सफाई और रंगरोगन भी किया गया है। तेजाजी थाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें थाने के पुलिसकर्मी राऊ विधायक प्रतिनिधि भानू को सफाई और अन्य व्यवस्था दिखा रहे हैं। बाद में इस वीडियो को हटवाया गया है। इंदौर में डीजीपी कैलाश मकवाना ने राजेन्द्र नगर थाने को आईएसओ प्रमाणित का मोमेंटो दिया। एक मोमेंटो तेजाजी नगर थाने को भी दिया गया।

पॉली हाउस नर्सरी बनती तो नहीं खरीदने पड़ते 8 करोड़ के पौधे

इंदौर। नगर निगम द्वारा हर साल शहर के उद्यान और ग्रीन बेल्ट में हरियाली बनाए रखने के लिए 8 करोड रूपए के पौधे प्राइवेट नर्सरियों से खरीद रहा है। अगर नगर निगम 2022 में बनाई गई पॉलीहाउस नर्सरी निर्माण की योजना पर काम करता तो प्राइवेट नर्सरियों को दी जाने वाली यह राशि बचाई जा सकती थी, लेकिन इस ओर निगम ने ध्यान ही नहीं दिया। बताया जाता है कि इस दौरान नगर निगम के अधिकारियों का पूरा फोकस प्राइवेट नर्सरियों से पौधे खरीदने पर था। नगर निगम को हर साल पौधारोपण कार्यक्रम सहित अपने उद्यानों के लिए 10 से 15 लाख पौधों की जरूरत होती है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए नगर निगम की नर्सरी केवल 2 से 3 लाख पौधे ही बना पाती है। ऐसी स्थिति में बचे हुए पौधे आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और डगर प्रदेश से खरीदने होते हैं।

भारत गौरव ट्रेन से दक्षिण भारत की दिव्य यात्रा

संवाददाता ● भोपाल

दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर भ्रमण करने के उद्देश्य से चर्चित भारत गौरव एक्सप्रेस चलने का फैसला लिया गया है जो बिहार और झारखंड सहित अनेक राज्यों के लोगों को दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों तक ले जाएगी। भागलपुर स्टेशन से इस भारत गौरव एक्सप्रेस की शुरुआत होगी और 12 दिवसीय यात्रा के तहत यात्रियों को तिरुपति, रामेश्वर, मदुरई, कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन के दर्शन करवायेगी ।

आईआरसीटीसी की इस विशेष पर्यटक ट्रेन के द्वारा भक्तों को दक्षिण भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों और पवित्र स्थानों पर दिव्य उपस्थिति का अनुभव करने और आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा। इस ट्रेन में भागलपुर, जसीडिह, मधुपुर, बराकर, धनबाद, बोकारो, मुरी, रांची, राउरकेला, झारसुगुडा, चाम्पा, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग सहित कई बोर्डिंग और डिबोर्डिंग पॉइंट शामिल हैं।

इस भारत गौरव ट्रेन में स्लीपर क्लास (इकोनॉमी) की 640 सीटों की व्यवस्था की गई है जबकि तृतीय वातानुकूलित श्रेणी में 70 सीटें हैं। भारत गौरव यात्रा की टिकट लेने वाले यात्रियों को रेल यात्रा के साथ-साथ सड़क यात्रा, भोजन (चाय, नाश्ता, लंच, डिनर), डबल/ट्रिपल शेयरिंग के आधार पर आरामदायक और साफ आवास (इकोनॉमी के लिए नॉन-एसी; स्टैंडर्ड और कम्फर्ट क्लास के लिए एसी),बसों द्वारा स्थानांतरण और दर्शनीय स्थलों की यात्रा, ऑनबोर्ड टूर

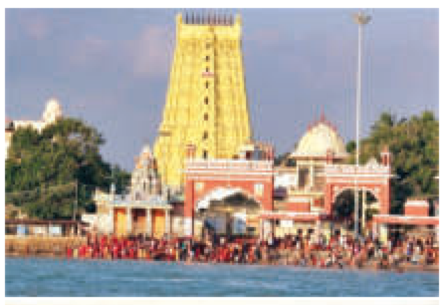

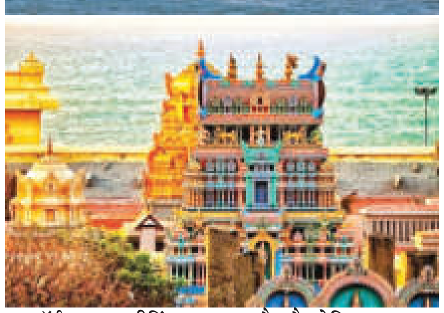

एस्कॉर्ट, हाउसकीपिंग, सुरक्षा और पैरामेडिकल स्टाफ की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

यह यात्रा आराम और सुरक्षा के साथ कई तीर्थों के दर्शन और आध्यात्मिक पूर्ति प्राप्त करने का एक अद्वितीय मौका प्रदान करती है - वो भी किफायती कीमत पर। बिहार झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों के जो लोग इस यात्रा के भागीदार बनना चाहते हैं वह IRCTC के कोलकाता और रांची कार्यालय या अधिकृत एजेंटों) के माध्यम से भी बुकिंग कर सकते हैं।

एमआर-12 पर भी बनने वाला था 90 डिग्री का ब्रिज!

इंदौर। भोपाल का 90 डिग्री एंगल का ब्रिज देशभर में अपनी खराब इंजीनियरिंग के लिए चर्चित हो रहा है। इस तरह का ब्रिज इंदौर के एमआर-12 रोड पर भी बनने वाला था, लेकिन इंदौर विकास प्राधिकरण ने ड्राइंग डिजाइन में जमीन नहीं होने पर ब्रिज पर मोड़ आते ही गेंद नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के पाले में डाल दी औरअलाइनमेंट में संशोधन की प्रक्रिया शुरू कराई। दरअसल 200 मीटर चौड़ी रोड पर विभाग ने कालोनियों के अभिन्यास मंजूर कर लिए थे, हालांकि अब इंदौर विकास प्राधिकरण के बजाए लोक निर्माण विभाग श्रीलेन ब्रिज बना रहा है। ब्रिज के निर्माण का भूमिपूजन पिछले दिनों मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया है। इंदौर विकास प्राधिकरण उज्जैन रोड को बाइपास से जोड़ने के लिए एमआर-12 का निर्माण कर रहा है। इस मार्ग पर दो बड़े ब्रिज बनना है। पहले रेलवे क्रासिंग पर प्राधिकरण ब्रिज बना रहा था। जमीन के हिसाब से इसकी डिजाइन तैयार की गई तो ब्रिज के मध्य हिस्से में बड़ा मोड़ डिजाइन में था,क्योंकि ब्रिज के लिए पर्याप्त जमीन नहीं थी। उधर लोक निर्माण विभाग ने भी रेलवे क्रासिंग पर ब्रिज बनाने का फैसला लिया और टेंडर भी जारी कर दिए। उनकी डिजाइन में यह परेशानी इसलिए नहीं आई,क्योंकि लोक निर्माण विभाग तीन लेन ब्रिज बना रहा है, लेकिन भविष्य में यदि ब्रिज की चौड़ाई बढ़ती है तो भी भोपाल जैसा ब्रिज नहीं बनेगा। यह ब्रिज दो साल में पूरा होगा। इसके निर्माण पर 32 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

चंद्रभागा रोड पर डाल रहे ड्रेनेज लाइन

चंद्रभागा रोड पर कलाईकुई मस्जिद से चंद्रभागा ब्रिज तक रोड का निर्माण होना है। इसके पूर्व यहां नगर निगम द्वारा बारिश का पानी निकालने के लिए स्टार्म वॉटर लाइन और ड्रेनेज की लाइनों को डालने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

RPF की चौकसी: महंगा टैबलेट और सामान बरामद

इटारसी में बैग चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता ● भोपाल

रेल यात्रियों की सुरक्षा और उनके सामान की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु रेल सुरक्षा बल द्वारा लगातार सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में इटारसी स्टेशन पर ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की गई है।

प्रातः लगभग 04:00 बजे इटारसी स्टेशन पर गाड़ी संख्या 18233 में यात्रा कर रही एक महिला यात्री का बैग चोरी होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही

कार्रवाई

रेल सुरक्षा बल द्वारा तत्परता दिखाते हुए सीसीटीवी फुटेज की सहायता से एक संदिग्ध व्यक्ति को बैग के साथ पकड़ लिया गया। उक्त बैग की जांच करने पर उसमें ओप्पो कंपनी का टैब (कीमत 70,000), पावर बैंक (कीमत 3,500), बॉटल एवं अन्य कॉस्मेटिक सामग्री (कीमत 73,500 लगभग) बरामद हुई। पकड़े गए आरोपी की पहचान सुनील कलमे ,उम्र- 29 वर्ष, निवासी- जामुनिया, तहसील- खिरकिया, जिला- हरदा के रूप में हुई। इस कार्यवाही को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाली टीम में सहायक उपनिरीक्षक प्रकाश बिल्लौरे, प्रधान आरक्षक राजेश यादव, प्रधान आरक्षक राजेश डेहरिया, प्रधान आरक्षक असलम जावेद तथा आरक्षक निर्मल पटेल शामिल रहे।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि उक्त आरोपी को बरामद सामग्री सहित जीआरपी इटारसी के सुपुर्द कर दिया गया। जीआरपी इटारसी द्वारा अपराध धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि यात्रा के दौरान अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत रेल मदद, स्टेशन स्टाफ या रेल सुरक्षा बल को दें। यात्रियों की सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए रेलवे द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

मेयर ने की शुरुआत, मोबाइल पर मिलेंगी जानकारियां; DigiPIN अपनाने वाला देश का पहला शहर

शहर में हर घर का डिजिटल पता, क्यूआर कोड लगेंगे

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर में अब हर घर का जीपीएस आधारित यूनीक डिजिटल पता होगा। घरों के बाहर क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। स्कैन करते ही मोबाइल पर प्रॉपर्टी की सभी जानकारी मिल जाएगी। लोग इससे पानी और प्रॉपर्टी का टैक्स भी भर सकेंगे।

शुरुआत

रविवार को महापौर पुष्य मित्र भार्गव ने वार्ड 82 (जोन-14) सुदामा नगर से पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत की। साहित्यकार सदाशिव कौतुक के घर में ये डिजिटल प्लेट लगाई गई। यह प्रोजेक्ट केंद्र सरकार के DigiPIN प्लेटफॉर्म से जुड़ा है। इंदौर इसे

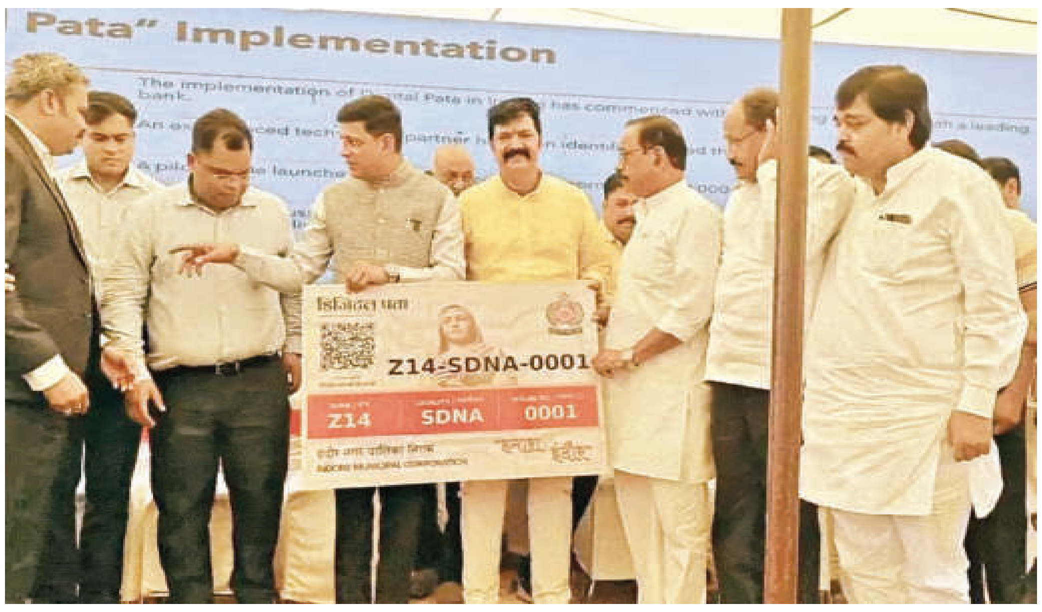

अपनाने वाला देश का पहला शहर बनने जा रहा है।

मेयर बोले- पूरे शहर में होगा लागू : महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि क्लीन सिटी अब डिजिटल सिटी होगी। इंदौर के हर घर की अपनी एक डीपी होगी, जैसे हम सोशल मीडिया पर डीपी लगाते है वैसे ही ये डिजिटल प्रोफाइलिंग का काम हर घर को एक यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर देने का काम और उस डिजिटल पते के क्यूआर कोड स्कैनर से नगर निगम की सारी सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही अधिकारियों के नाम-नंबर, टैक्स की जानकारी, टैक्स भरने की सुविधा ये सब स्क्रीन और क्यूआर कोड स्कैनर पर उपलब्ध रहेगी। रहवासियों को कही जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ये पायलट प्रोजेक्ट वार्ड 82 में कर रहे है ये पूरा होगा इसके बाद पूरे शहर में लागू करेंगे।

दूसरे वार्डों में भी शुरू किया जाएगा

नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत हर घर के बाहर एक डिजिटल प्लेट लगाई जाएगी। इसमें GPS आधारित यूनिक डिजिटल पता (Digital Address Code - DAC), स्वच्छता रेटिंग, नागरिक सेवाओं से संबंधित जानकारी एवं QR कोड शामिल होगा। यह एक ऐतिहासिक पहल है जो नगर सेवाओं को पारदर्शी, सुलभ और तकनीक-सक्षम बनाएगी। इसमें भवन स्वामी की जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। आने वाले समय में दूसरे वार्डों में भी इसे शुरु किया जाएगा।

दैनिक आदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, सोमवार, 30 जून, 2025
www.adityabharat.com

दाना-पानी लेकर परिंदों ने भरी आजादी की ऊंची उड़ान...

आजादी इनसान ही नहीं परिंदों को भी प्यारी होती है... दाना-पानी लेने के बाद अब ऊंची उड़ान की तैयारी है... ये संदेश फोटो दे रहा है।

शॉर्ट न्यूज

उधारी चुकाने के बाद भी घर आकर बकाया पैसों के लिए गाली-गलौज

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र के ग्राम भौरासला में पुराने लेन-देन को लेकर हुए विवाद ने हंगामे का रूप ले लिया। यहां एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि उसने वर्षों पहले ली गई उधारी चुका दी है, फिर भी सामने वाला व्यक्ति घर आकर गाली-गलौज और हंगामा कर रहा है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। बाणगंगा पुलिस के अनुसार ग्राम भौरासला निवासी उदय ठाकुर ने शिकायत दर्ज कराई है कि राजेश सोनी निवासी छोटा बांगड़दा ने उसके घर के बाहर आकर हंगामा किया और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। उदय का कहना है कि वर्ष 2017 में उसने राजेश से खेती के काम के लिए 12 लाख 50 हजार रुपए उधार लिए थे।

भाइयों और भतीजे ने युवक को पीटा

इंदौर। एरोड्रम इलाके में एक व्यक्ति की उसके दो भाइयों और भतीजे द्वारा पिटाई कर दी गई। आरोपी भाइयों ने उसका सिर दीवार में ठोक दिया जिससे उसे चोट लगी। पुलिस ने नगीन नगर निवासी गोपाल पिता कैलाश गोयल की शिकायत पर उसके भाई श्याम, दीपक, भतीजे और भांजे के खिलाफ केस दर्ज किया हैं। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मेरे बडे भाई दीपक के साथ हलवाई का काम करने वाला कारीगर आया और मेरा लोहे का गेट साईड में रख दिया। जब मैंने उस कारीगर से बोला कि मुझसे बिना पूछे गेट क्यों हटा दिया मुझे आवाज लगा देते, फिर इतनी बात सुनकर मेरे बड़े भाई दीपक आ गये और गालियाँ देने लगे।

लोडिंग की टक्कर से बाइक सवार की मौत, साथी गंभीर

इंदौर। किशनगंज इलाके में तेज रफ्तार लोडिंग वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। उधर रालामंडल क्षेत्र में हुए हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि सिमरोल इलाके में दुर्घटना में गंभीर घायल एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। पहला हादसा एबी रोड पर किशनगंज थाना क्षेत्र में भगवती ढाबे के सामने हुआ। मृतक का नाम चेतन वर्मा बताया गया। घायल दोस्त का नाम पुष्पेंद्र पिता गणेश पाल निवासी प्रजापत नगर है। पुलिस ने लोडिंग वाहन क्रमांक एमपी 42 जेडडी 4425 के चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

लोग महीनेभर से चेता रहे थे, लेकिन न नेता आए, न अधिकारी, तीन की चली गई जान

महाजाम में भोपाल के अफसर फंसे तो मचा हल्ला दौड़ पड़े अधीनस्थ

गड्ढे भरवाए, चलवाए रोड रोलर

संवाददाता ● इंदौर

जानलेवा साबित हो चुके इंदौर के बायपास पर लगे जाम को लेकर जब हल्ला मचा तो केबिनों ट्रैफिक सुधार के लिए बैठकें करने वाले अफसर बैठक जाम खुलवाने दौड़े। इंदौर में भोपाल के जो अफसर बैठकों में शामिल होने आए थे, लौटते समय जब वे जाम में फंसे तो अधीनस्थ अफसरों को उन्होंने झाड़ा। नतीजा शनिवार सुबह से ही अमला मौके पर जा पहुंचा। इंदौर-देवास के बीच लगे जाम के लिए नागरिक एक महीने से चेता रहे थे, लेकिन न अधिकारी बात करने आए न जिम्मेदार नेताओं ने सड़क पर आने की जहमत उठाई। नतीजा यह हुआ कि शुक्रवार को जाम में फंसकर तीन लोगों की जान चली गई। कलेक्टर आशीष सिंह ने खुद मोर्चा संभाला और वे मौके पर पहुंचे और पैचवर्क का काम देखा। ब्रिज के आसपास लगे बेरिकेड हटाकर उस हिस्से को भी वाहनों के चलने लायक बनाया गया, ताकि दो लेन में वाहन चल सके। एडीएम रोशन राय को अर्जुन बड़ौदा क्षेत्र में पूरी टीम के साथ तैनात किया और देवगराड़िया क्षेत्र में एसडीएम अजय शुक्ला खड़े थे, जबकि राऊ वाले हिस्से में एसडीएम राकेश परमार व्यवस्थाएं संभाल रहे थे। अर्जुन बड़ौद गांव में ब्रिज निर्माण के कारण ट्रैफिक को सर्विस रोड पर शिफ्ट किया गया है। सर्विस रोड पर गड्ढे हो चुके है। यहां पैचवर्क किया गया है, लेकिन भारी वाहनों के कारण पैचवर्क भी ज्यादा दिन नहीं टिक पाएगा।

हल्ला मचा

कलेक्टर बोले- एनएचएआई ने बनाई कमजोर सर्विस रोड : कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि बायपास पर एनएचएआई ने कमजोर सर्विस रोड बनाई है। इसके चलते भारी वाहनों के निकलने और लगातार ट्रैफिक का दबाव होने से गड्ढे हो गए हैं। इस वजह से ट्रैफिक जाम हो रहा है।

वाहनों को वैकल्पिक मार्गों की तरफ मोड़ा : अर्जुन बड़ोद में दो दिन से लगा जाम बहला हो सके। इसके लिए मानपुर, देवगुराड़िया पर भारी वाहनों को रोका गया। चारपहिया वाहनों को भी उज्जैन होकर देवास की तरफ जाने का विकल्प दिया जा रहा था। अफसरों की कोशिश यही थी कि ब्रिज के आसपास वाहनों की कतार न लगे और घंटे से फंसे वाहन निकल सके,हालांकि शाम तक अर्जुन बड़ौद गांव के आसपास वाहनों की कतार नजर आई।

इसलिए लगा महाजाम

इंदौर-देवास बायपास पर अर्जुन बड़ौद गांव पर ब्रिज बनाया जा रहा है। मुख्य मार्ग को निर्माण कार्यों के चलते बंद कर दिया गया है। दोनो तरफ वाहनों को सर्विस रोड पर परिवर्तित कर दिया गया है। पचास फीट चौड़े सर्विस रोड पर वाहन वैसे ही स्पीड से नहीं निकल पाते है। फिर पीछे से आ रहे वाहनों की कतार लग जाती है। बारिश में सर्विस रोड पर बड़े गड्ढे हो गए। भारी ट्रक गड्ढों में न फंसे, इसलिए चालक धीरे-धीरे उन्हें निकालने लगे। इस कारण ट्रैफिक की गति और धीमी हो गई। इसके चलते दिनभर बाधित होने वाला ट्रैफिक महाजाम में तब्दील हो गया।

एक साल से अधूरा है ब्रिज

अर्जुन बड़ौदा के पास पिछले एक वर्ष से ब्रिज निर्माण का कार्य जारी है, लेकिन धीमी गति और अनियोजित व्यवस्थाओं के कारण यह अब तक पूरा नहीं हो पाया है। बारिश के दिनों में इस मार्ग से निकलना और भी कठिन हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार और निर्माण एजेंसियां सिर्फ खानापूर्ति कर रही हैं।

27 बोरी पॉलीथिन कैरी बैग जब्त, फाइन ठोका

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशानुसार नगर निगम इंदौर द्वारा शहर में अमानक एवं प्रतिबंधित पॉलीथिन कैरी बैग के उपयोग और संग्रहण पर निरंतर निगरानी एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज जोन क्रमांक 18, वार्ड क्रमांक 6 अंतर्गत लोहा मंडी क्षेत्र में कार्रवाई की गई। नगर निगम की टीम में शामिल रहे, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक विनय मिश्रा, सहायक एसीएसआई धीरेन्द्र शिसोदिया, एनजीओ फीडबैक फाउंडेशन की टीम एवं इवनिंग दरोगा प्रदीप अटवाल द्वारा लोहा मंडी क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सागर इंदौर रोडवेज की एक गाड़ी से भारी मात्रा में प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई। गाड़ी से कुल 27 बोरियां अमानक पॉलीथिन बरामद की गई।

शराब पीने के बाद जहरीली चीज खा ली नहीं बच सकी जान

इंदौर। खंडवा के मूलनिवासी प्रकाश पिता लिमड़ा कनाड़े उम्र 54 साल 14-15 सालों से तिलक नगर में रहते थे। वे शराब पीने के आदी थे। इसीलिए परिवार ने उन्हें अपने मकान से कुछ दूर एक रूम किराये का दिलवा दिया था। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक कल शराब पीने के बाद कोई जहरीली वस्तु उन्होंने खा ली और वे अकेले थे। इस दौरान उनकी मदद नहीं हुई और जब जी घबराया तो वे अपने रूम से निकलकर पास में ही रहने वाले बेटे और पत्नी के मकान के गेट तक जैसे-तैसे पहुंचे और वहीं गिर पड़े। सुबह जब बेटा काम पर जाने के लिए बाहर निकला तो देखा कि पिता गेट के सामने लेटे हैं। बेटे के साथ माँ भी वहीं रहती थी। तत्काल प्रकाश कनाड़े को एमवाय लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित किया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

महापौर ने वार्ड 45 में किया जनसंवाद

शहर को हरित, डिजिटल और सौर ऊर्जा में भी बनाएंगे आत्मनिर्भर

संवाददाता ● इंदौर

शहर के वार्ड 45 में चल रहे विकास काम को देखने महापौर पुष्यमित्र भार्गव पहुंचे। यहां रहवासियों से मिलकर जन संवाद किया। क्षेत्र के विकास कामों को लेकर खुलकर चर्चा की। जनसंवाद में वार्ड के पक्ष-विपक्ष दोनों ही प्रतिनिधि मौजूद रहे। महापौर ने कहा कि इंदौर नगर निगम अब केवल स्वच्छता के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि डिजिटलाइजेशन में भी देशभर में अपनी अलग पहचान बना रहा है। निगम के एक करोड़ से ज्यादा दस्तावेजों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही निगम का खुद का पोर्टल विकसित किया गया है, जो नागरिकों को कई सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराएगा। महापौर ने कहा कि शहर में एक हजार किलोमीटर से अधिक की पानी की लाइन बिछाई गई है, साथ ही ड्रेनेज और स्टॉर्म वाटर लाइन का काम भी तेजी से हुआ है। पानी की समस्या को दूर करने के लिए कई नई पानी की टंकियों को बनाया गया है, जिससे जल आपूर्ति बेहतर हुई है।

संवाद

संजीवनी क्लिनिक, सरकारी स्कूलों पर ध्यान - महापौर ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल विकास नहीं, बल्कि जनकल्याण है। इसी सोच के तहत संजीवनी क्लिनिक की स्थापना की गई है, जहां प्राथमिक उपचार निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही सरकारी स्कूलों के जीर्णोद्धार के साथ नए स्कूल भी नगर निगम द्वारा निर्मित किए जा रहे हैं, जिससे गरीब और निम्न आय वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

शहर को ग्रीन, डिजिटल-सोलर सिटी बनाएंगे

महापौर ने कहा कि हमारा संकल्प है कि इंदौर को केवल स्वच्छ ही नहीं, बल्कि हरित, डिजिटल और सौर ऊर्जा में आत्मनिर्भर शहर के रूप में विकसित किया जाए। लोगों के सहयोग से यह सपना जल्द साकार होगा। स्थानीय कांग्रेस दल की पार्षद सोनाली मिमरोट, रवि तोमर सहित बीजेपी के स्थानीय संगठन पदाधिकारी, निगम अधिकारी व रहवासी मौजूद थे।

ई-टिकट मशीन, एप और ऑनलाइन टिकट बुकिंग सुविधा मिलेगी

विजयनगर से राऊ और पलासिया से एयरपोर्ट तक चलेंगी 16 सिटी बसें

संवाददाता ● इंदौर

अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (एआईसीटीएसएल) शहर में अब दो नए प्रीमियम रूट पर एसी इलेक्ट्रिक सिटी बसें चलाने की तैयारी कर रही है। इसमें से एक बस विजयनगर से बायपास होते हुए राऊ सर्कल तक चलेगी, तो दूसरी पलासिया से एयरपोर्ट तक। दोनों रूट पर बसें चलने से सबसे ज्यादा फायदा बायपास और सुपर कॉरिडोर के आसपास की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को होगा। उन्हें शहर में आने-जाने के लिए नया विकल्प मिल जाएगा। हालांकि यह अभी तय नहीं है कि ये बसें कब से चलाई जाएंगी। एआईसीटीएसएल की पीआरओ माला सिंह ठाकुर ने बताया कि नए रूट पर बसें चलाने की योजना शहर के पब्लिक ट्रांसपोर्ट को नेक्स्ट लेवल पर ले जाएगी। बायपास के विकास के साथ ट्रांसपोर्ट सिस्टम में यह जरूरी और उपयोगी बदलाव है। इससे न सिर्फ शहर का ट्रैफिक दबाव घटेगा, बल्कि बायपास के आसपास रहने वाले लोगों को भी सीधा फायदा मिलेगा।

सुविधा

एआईसीटीएसएल से मिली जानकारी के अनुसार प्रीमियम रूट पर 9 मीटर लंबी 16 एसी इलेक्ट्रिक सिटी बसें चलेंगी। राऊ से विजय नगर चौराहे तक का रूट 35.8 किमी लंबा है, जो बायपास से होकर निकलेगा। वहीं एयरपोर्ट से पलासिया चौराहे का रूट 9.2 किमी का है। बता दें कि बीआरटीएस कॉरिडोर हटने के बाद जब सिटी बसें मिक्स लेन में चलने लगेंगी, तो इनकी गति कम होगी। तब बायपास वाला रूट लोगों को तेज साधन देगा।

10 साल तक देखरेख करेगा बस ऑपरेटर

दोनों रुट पर 16 प्रीमियम एसी इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी। इनमें से 10 बसें विजय नगर से राऊ और 6 एयरपोर्ट से पलासिया वाले रुट पर चलेंगी। यह योजना नेट कॉस्ट मॉडल पर होगी। ऑपरेटर खुद किराया वसूलेगा और तय प्रीमियम सिटी बस कंपनी को देगा। कंडक्टर ई-टिकट मशीन से टिकट काटेंगे, जिसमें स्मार्ट कार्ड और क्यूआर कोड की सुविधा भी होगी। रोज सफर करने वालों के लिए पास की सुविधा भी रहेगी। बाद में एप और ऑनलाइन टिकट बुकिंग की सुविधा भी दी जाएगी। यह सेवा 10 साल तक चलेगी और बसों की पूरी देखरेख ऑपरेटर करेगा।

क्या डिजिटल दुनिया ने बच्चों के पैसों के प्रबंधन की क्षमता को प्रभावित किया है?

आपको मेरी-गो-राउंड याद है- एक बड़ा गोल प्लेटफॉर्म जो एक सर्कल में घूमता है और जिसमें सीटें और जानवरों (जैसे घोड़े) की आकृतियां होती हैं, उन पर बच्चे बैठते हैं और सवारी करते हैं? आखिरी बार 1960 के दशक में जब मैंने इसकी सवारी की थी, तब वह 3 पैसे की थी! हां, मुझे 5 पैसे का सिक्का दिया गया था और मुझे एक बार की सवारी करने और 2 पैसे बचाकर लाने की अनुमति थी। लेकिन झूले के मालिक ने मुझे केवल 2 पैसे में दूसरा चक्कर भी लगाने के लिए मना लिया और मैंने उस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, मानो मुझमें मोल-भाव करने का बहुत अच्छा कौशल हो। लेकिन 2 पैसे के अनावश्यक खर्च के लिए मां ने मुझे दंडित किया था।

5 साल की उम्र में पैसों के प्रबंधन को लेकर यह मेरा पहला सबक था। बाद में कई मौकों पर- जब तक कि मैंने अपना स्कूल पास नहीं किया- मैं साइकिल से थोक बाजार जाता था और घर के लिए कई छोटी-मोटी खरीदारी करके 5 से 25 पैसे के बीच कुछ भी बचा लेता था। तब मुझे उस समझदारी के लिए कुछ हिस्सा देकर पुरस्कृत किया जाता था।

मैंने इस सप्ताह अपनी मेड को यह घटना सुनाई, जिसे मैंने मोबाइल पर अपनी 10 वर्षीय बेटी से बात करते सुना था। स्कूल जाने वाली वह बच्ची फोन पर रो रही थी और अपनी मां को ड्राइंग वर्कबुक खरीदना भूल जाने को लेकर दोषी ठहरा रही थी। जब मां ने पूछा कि उसकी कीमत कितनी है, तो बच्ची ने कहा 20 रुपए। मां ने उसे दुकान पर जाकर फोन करने को कहा, ताकि वह दुकानदार को डिजिटली पैसे ट्रांसफर कर सके। बच्ची भागकर दुकान पर गई और दुकानदार को फोन दिया, जिसने बताया कि किताब की कीमत 18 रुपए है।

मैं सोच रहा था कि अगर मेड ने बच्ची को 20 रुपए नकद दिए होते, तो उसके खुद पर 2 रुपए खर्च करने की संभावना अधिक होती। लेकिन बच्ची ने वह 2 रुपए की पॉकेट मनी गंवा दी, जिससे उसे कुछ खुशी मिल सकती थी।

इससे मुझे लगा कि जब पॉकेट मनी और बच्चों की जरूरतों पर खर्च होने वाले आधे से अधिक खर्च डिजिटल हो रहे हैं, तो क्या हमारे नजरिए, सीख और आदतें भी इसके साथ बदल रही हैं? लगता तो यही है। इसके लिए मेरी दलीलें इस प्रकार हैं। आज भी जब हम पैसे शब्द सुनते हैं तो हम अभी भी सिक्कों और नोटों के बारे में सोचते हैं। महीने के अंत में भी मेरे पास हमेशा महीने की शुरूआत में मिलने वाली 5 रुपए की पॉकेट मनी में से कम से कम 1 रुपया बचा होता था। लेकिन चूंकि हमारे बच्चे भौतिक धन से जुड़ाव की भावना खो चुके हैं और वे उन्हें अपने पास अब बिलकुल भी नहीं रखते हैं, इसलिए वे यह भी भूल गए हैं कि उन्होंने पूरे महीने में माता-पिता से कितना लिया है।

मैंने इस सप्ताह अपनी मेड को यह घटना सुनाई, जिसे मैंने मोबाइल पर अपनी 10 वर्षीय बेटी से बात करते सुना था। स्कूल जाने वाली वह बच्ची फोन पर रो रही थी और अपनी मां को ड्राइंग वर्कबुक खरीदना भूल जाने को लेकर दोषी ठहरा रही थी। जब मां ने पूछा कि उसकी कीमत कितनी है, तो बच्ची ने कहा 20 रुपए। मां ने उसे दुकान पर जाकर फोन करने को कहा, ताकि वह दुकानदार को डिजिटली पैसे ट्रांसफर कर सके। बच्ची भागकर दुकान पर गई और दुकानदार को फोन दिया, जिसने बताया कि किताब की कीमत 18 रुपए है।

पैसे कैरी करने वाला मोबाइल फोन अब किसी बच्चे को पैसे जैसा नहीं लगता और वह उसे नकदी के बजाय एक फोन ही मानता है। इसलिए मुझे लगता है कि उनकी खर्च करने की भावना तो ऊंची बनी हुई है, वहीं बचत की भावना गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। यूके में 3 से 18 वर्ष की आयु के 1,067 बच्चों पर किए गए एक सर्वेक्षण से हमारे बच्चों की बदलती आदतों पर प्रकाश पड़ता है। इसमें पाया गया कि अधिकांश बच्चे रोजमर्रा की किराने की वस्तुओं की कीमत नहीं जानते। लेकिन वे महसूस करते हैं कि सही समर्थन के साथ डिजिटल-शिफ्ट से कई अवसर सामने आए हैं। जाहिर है कि डिजिटल बदलाव बच्चों को अपने पैसों का प्रबंधन करने और इस बात को प्राथमिकता देने के लिए उपकरण और तकनीक प्रदान करता है कि वे कैसे खर्च करें और किस-के लिए बचत करें। कई माता-पिता ने महसूस किया कि ऑनलाइन ऐप के माध्यम से तुरंत खरीदारी के युग में उनके बच्चों का जेब-खर्च अगले वेतन तक नहीं टिकता है और वे बीच-बीच में कुछ अतिरिक्त पैसे मांगते रहते हैं। फंडा यह है कि जब यह समझने की बात आती है कि डिजिटल लेनदेन ने हमारे बच्चों द्वारा अपने पैसों के प्रबंधन की समझ को कैसे प्रभावित किया है, तो इस पर हमें विभाजित राय मिलती हैं। आप क्या सोचते हैं?

संत वचन

मसीह में भाइयों और बहनों, जैसा कि हमने एंटिओक के सेंट इग्नाटियस के जीवन और उदाहरणों से सुना है, और जैसा कि हमने पवित्र शास्त्रों के शब्दों को समझा है, इसलिए हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें ताकि हम उन लोगों के पदचिन्हों पर चल सकें जो हमसे पहले चले गए हैं और अपने जीवन और ईश्वर में विश्वास में अनुकरणीय रहे हैं। आइए हम सभी अपने अभिमान और अहंकार, लालच और अन्य प्रकार की इच्छाओं को त्याग दें जो हमें हमारे पतन की ओर ले जा सकती हैं। आइए हम सभी अब से अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में ईश्वर की इच्छा को और अधिक ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास करें, और आइए हम अपने स्वयं के अनुकरणीय जीवन से एक-दूसरे को प्रेरित करना जारी रखें ताकि हम सभी को प्रभु के और करीब ला सकें। आज के हमारे प्रथम वाचन में, जो प्रेरित पौलुस द्वारा कलीसिया और इफिसुस नगर और क्षेत्र के ईश्वर के वफादार लोगों को लिखे गए पत्र से लिया गया है,

युद्ध ने ईरान को उलटे एटम बम बनाने को प्रेरित किया है

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों को लेकर यह प्रचारित किया गया था कि यह उसके परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए थे। जबकि परिणाम इससे उलट भी हो सकता है। क्योंकि अब ईरान को पक्का भरोसा हो गया है कि भविष्य के हमलों से बचने और अपनी हुकूमत को कायम रखने के लिए परमाणु हथियार हासिल करना ही इकलौता विकल्प रह गया है। एक समय था, जब दवाब और प्रोत्साहन की मिली-जुली रणनीति के जरिए ईरान को इस विषय पर बातचीत के लिए तैयार कर लिया गया था। 2015 में जॉइंट कॉम्प्रेहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन (जेसीपीओए) के जरिए ईरान उस पर लगाए गए प्रतिबंधों में राहत और अन्य रियायतों के बदले अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए राजी भी हो गया था। लेकिन इसके बावजूद इजराइल की मांग पर डॉनल्ड ट्रम्प अपने पहले कार्यकाल में जेसीपीओए से हट गए। इससे 20 माह की अथक कूटनीति से बना आपसी भरोसा टूट गया। कुछ लोग तर्क देते हैं कि ईरान अंतरराष्ट्रीय समुदाय को धोखे में रखकर आवश्यकता से अधिक यूरेनियम परिष्कृत कर रहा था। ऐसे में उसने खुद ही इन हमलों को न्योता दिया। ये शिकायतें भी जायज हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने इजराइल के हमलों से पहले ही अपनी रिपोर्ट में ईरान के अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के उल्लंघन को लेकर चिंता जाहिर कर दी थी।

एडिट.नोट

इंस्टीट्यूट फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल सिक्योरिटी की ओर से इस रिपोर्ट के विश्लेषण में तो यह भी कहा गया कि ह्यईरान फोर्दो प्लांट में अपने 60% तक परिष्कृत यूरेनियम को महज तीन हफ्तों में 233 किलोग्राम वेपन-ग्रेड यूरेनियम में बदल सकता है, जिससे 9 परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं।ह्व लेकिन साथ ही आईएईए ने त्वरित परमाणु संधि की आवश्यकता जताते हुए यह भी कहा था कि उसके पास ऐसे कोई पुख्ता संकेत नहीं हैं कि ईरान में अघोषित परमाणु कार्यक्रम चल रहा है।

इसके बावजूद अमेरिकी और इजराइली नेताओं ने ईरान के फोर्दो, नतांज और इस्फहान जैसे परमाणु ठिकानों पर हमलों को हरी झंडी दे दी, जो आईएईए के सुरक्षा मापदंडों के तहत आते हैं और अप्रसार संधि की ईरानी प्रतिबद्धताओं के तहत इनकी निगरानी की जाती है। ऐसा करके उन्होंने परमाणु हथियारों पर अंकुश लगाने वाले कानूनी और सत्यापन-संबंधी फ्रेमवर्कों की ही कलई खोल दी। इन हमलों ने आईएईए की ताकत को कम किया है। अप्रसार संधि के परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग संबंधी सिद्धांत और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का भी उल्लंघन किया है। सत्ता-परिवर्तन के लिए युद्धों का रिकॉर्ड रखने वाले अमेरिका और अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर से इनकार करने वाले इजराइल ने इससे दुनिया को यह भी गलत संदेश दे दिया कि सिर्फ कमजोरों से ही नियमों के पालन की अपेक्षा की जाती है। वस्तुतः, आपके पास यदि परमाणु हथियार हैं तो आप अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अवहेलना कर सकते हैं।

पाकिस्तान आतंकवाद को पोषित करता है, छद्म युद्ध करता है और परमाणु हमलों की धमकियां देता फिरता है। ईरान के काल्पनिक बम की तुलना में पाकिस्तान भले ही क्षेत्रीय शांति के लिए अधिक बड़ा खतरा हो, लेकिन उस पर अमेरिका चुप्पी साधे हुए है। 80 और 90 के दशकों में अमेरिकी सरकारों ने पाकिस्तान द्वारा खुफिया तरीके से यूरेनियम संवर्धन और परमाणु बम बनाने के सबूतों को अनदेखा किया। पाकिस्तान को अरबों डॉलर की सहायता भी जारी रखी। इसका परिणाम एक खंडित राष्ट्र के रूप में सभी के सामने है। अब जबकि कूटनीति पटरी से उतर चुकी है, निरीक्षणों की अवहेलना हो रही है और दोहरे मानदंड प्रभावी हैं तो ईरान को इस बात के लिए कैसे राजी किया जा सकता है कि वह परमाणु हथियार न बनाए? यह उसके लिए रणनीतिक तौर पर व्यावहारिक भी है।

अतीत में ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई द्वारा परमाणु ह थियारों के खिलाफ फतवा जारी करने और इस मुद्दे पर वर्षों की बहस के बावजूद ईरानी निर्णयकर्ता अब मान चुके हैं कि उनके मुल्क को हमलों से सुरक्षित रखने के लिए अब कोई और रास्ता नहीं रह गया है।

प्रो. मनोज कुमार झा -लेखक

एक समाज के रूप में सभ्य संवाद हमारा दायित्व है

जामिया मिलिया इस्लामिया में मेरी पहली नौकरी के दौरान मेरे एक सहकर्मी अक्सर कहा करते थे कि जिन लोगों के तर्कों में ताकत की कमी होती है, वे अक्सर आक्रामकता का सहारा लेते हैं। या जब तर्क विफल हो जाता है तो लोग डराने-धमकाने का सहारा लेते हैं। आज भी यह बात मेरे दिमाग में बनी हुई है। जब भी मैं लोगों को बातचीत में अपने डेसिबल लेबल को बढ़ाते हुए देखता हूं, तो मेरे पूर्व सहकर्मी के वो शब्द प्रतिध्वनित होने लगते हैं।

हम जाने कैसे भूल गए हैं कि एक सभ्य समाज और विचारशील लोकतंत्र में- तर्क, साक्ष्य और विचारों के संवेदनशील आदान-प्रदान के माध्यम से ही अनुनय जीता जाता है। हम एक चिंताजनक प्रवृत्ति के मूक गवाह बनते जा रहे हैं- जहां बातों में तर्क की अनुपस्थिति की भरपाई बल और धमकी की जुबान से की जाती है। जिन लोगों के पास विचारों की ताकत की कमी है, वे लोगों को चिल्लाकर चुप करा रहे हैं।राजनीतिक समुदाय में भी विपक्ष को चुप कराने का कमोबेश यही तरीका अपनाया जाता है, बजाय इसके कि उन्हें समझाया जाए कि वे किस दृष्टिकोण से बहस कर रहे हैं। यह बदलाव- तर्कपूर्ण बहस से टकरावपूर्ण बयानबाजी तक- न केवल सभ्यता की विफलता है, बल्कि बौद्धिक क्षरण को भी दशार्ता है। जब तर्क तथ्यों या नैतिक तर्क पर आधारित नहीं रह जाते, बल्कि व्यक्तिगत हमलों पर टिके होते हैं, तो लोकतांत्रिक बातचीत का ताना-बाना बिखरने लगता है। यह शहर के पार्कों में सुबह टहलने के दौरान की चर्चा से लेकर गांव-मोहल्लों की चौपालों पर विचार-विमर्श और संसदीय बहसों पर भी लागू होता है। किसी भी सार्वजनिक स्थान पर बातचीत की प्रकृति को देखते हुए यह चौंकाने वाली सच्चाई दृष्टिगोचर होती है कि बल का तर्क उन लोगों की शरणस्थली बन गया है, जो विचारों के आधार पर जीत नहीं सकते और परिणामस्वरूप लोकतंत्र और सार्वजनिक विमर्श दोनों ही हार जाते हैं।

इस तरह की बातचीत की उत्पत्ति को देखते हुए महसूस होता है कि जब आम नागरिक और राजनेता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की अस्थिर और अस्थायी सामग्री पर अधिक से अधिक निर्भर होते हैं, तो वे सूक्ष्म और विचारशील लोकतंत्र और सभ्य समाज के विचार के मूल तत्व को कमजोर करते हैं। त्वरित प्रतिक्रियाएं, आक्रोश से प्रेरित रुझान और ध्रुवीकरण करने वाले साउंडबाइट्स विचारशील बहस और तर्कपूर्ण संवाद की जगह ले लेते हैं। इस प्रक्रिया में, लोकतांत्रिक विमर्श वायरल सामग्री तक सीमित हो जाता है, जिससे जटिलता, समझौते और आलोचनात्मक सोच के लिए जगह खत्म हो जाती है। एक स्वस्थ लोकतंत्र और सभ्य समाज में, राजनीतिक नेतृत्व से विचार-विमर्श, आलोचनात्मक जुड़ाव और जटिलता के प्रति खुलेपन की उम्मीद की जाती है। हालांकि, नेताओं की बयानबाजी, रणनीति और यहां तक कि नीतिगत स्थिति को सोशल मीडिया के अस्थिर पारिस्थितिकी तंत्र से निकालने की बढ़ती प्रवृत्ति लोकतांत्रिक शासन और सभ्यतागत मूल्यों के मूलभूत आदर्शों के लिए खतरा है। ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म विचारशील विश्लेषण या साक्ष्य-आधारित तर्क के बजाय तात्कालिकता, सनसनीखेज और भावनात्मक प्रतिध्वनि को पुरस्कृत करने के लिए संरचित हैं। जब किसी सार्वजनिक मंच पर होने वाले विमर्श इन गतिशीलताओं से आकार लेते हैं, तो यह चिंतनशील होने के बजाय प्रतिक्रियात्मक हो जाता है।

नेता जो ट्रेंडिंग हैशटैग, मीम्स या आक्रोश पैदा करने वाले पोस्ट चुनते हैं, वे अक्सर परामर्श, बहस और जांच के संस्थागत तंत्र को दरकिनार कर देते हैं। यह न केवल गंभीर सार्वजनिक मुद्दों को महत्वहीन बनाने में तेजी लाता है, बल्कि सार्थक नीति निर्माण पर लोकलुभावन मुद्रा को भी बढ़ावा देता है। सोशल मीडिया एल्गोरिदम को ध्रुवीकरण वाली सामग्री को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। जब राजनेता ऐसी सामग्री के साथ जुड़ते हैं, तो वे सामाजिक विभाजन को और गहरा और पीड़ादायक बनाने में प्रतिभागी बन जाते हैं।

बिजनेस

मई 2025 में सीमेंट उद्योग ने पकड़ी रफ्तार; खपत 9 प्रतिशत बढ़ी, कीमतों में 8 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। सीमेंट उद्योग में मई 2025 में सालाना अधार पर 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की नवीनतम रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार सीमेंट की खपत 39.6 मिलियन मीट्रिक टन (एमटी) हो गई है, जबकि औसत सीमेंट कीमतों में भी करीब 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसमें बताया गया कि कम बिक्री के बाद भी सीमेंट उद्योग ने मई 2025 में 50 किलोग्राम बैग की कीमत 8 प्रतिशत बढ़कर 360 रुपये रही, जबकि वित्त वर्ष 2025 में यह कीमत 340 रुपये थी। यह साल-दर-साल आधार पर 7% कम थी। हालांकि, चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों (अप्रैल और मई) में कीमतों में 7% की सालाना बढ़ोतरी देखी गई है।

कुल बिक्री वॉल्यूम में 8 प्रतिशत की गिरावट

वहीं, अप्रैल और मई 2025 में कुल बिक्री वॉल्यूम 8 प्रतिशत बढ़कर 78.7 मिलियन मीट्रिक टन रहा, जबकि पूरे ऋ2025 में यह आंकड़ा 6.3% की वृद्धि के साथ 453 मिलियन मीट्रिक टन पर पहुंचा। आईसीआर को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026 में सीमेंट की मांग 6 से 7 प्रतिशत बढ़कर 480 से 485 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच सकती है। इसे आवासीय और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों से निरंतर मांग का समर्थन मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आईसीआर कंपनियों के मार्जिन वित्त वर्ष 2026 में 80 से 150 आधार अंक बढ़कर 16.3% से 17% तक पहुंच सकते हैं।

कोयले और पेटकोक की कीमतों में आई गिरावट

ईंधन लागत की बात करें तो जून 2025 में कोयले की कीमतें 19% घटकर 100 डॉलर प्रति टन और पेटकोक की कीमतें 2% घटकर 10,880 रुपये प्रति टन हो गईं। डीजल की कीमत 88 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के दौरान कोयले की कीमतों में 6% कम थीं, पेटकोक में 1% की बढ़ोतरी हुई और डीजल की कीमतें स्थिर रहीं। सीमेंट निमार्ता संघ (सीएमए) के अनुसार, भारत में सीमेंट उत्पादन की कुल स्थापित क्षमता 690 मीट्रिक टन है।

इनपुट लागत में स्थिरता से मिला समर्थन

इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि इनपुट लागत में स्थिरता के कारण परिचालन मार्जिन में भी सुधार हुआ है। इसका कारण कोयले और पेटकोक की ऊर्जा कीमतें कम हैं तथा डीजल की कीमतें स्थिर हैं।

राज-काज

सेंसेक्स 769 अंक चढ़कर 81,721 पर बंद

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबार दिन आज यानी शुक्रवार, 23 मई को सेंसेक्स 769 अंक चढ़कर 81,721 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 243 अंक की तेजी रही, ये 24,853 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी, जबकि दो में गिरावट रही। जोमैटो, पावर ग्रिड, क्ळउ और बजाज फिनसर्व के शेयरों में 3.5% तक की तेजी रही। नेस्ले इंडिया समेत कुल 14 शेयरों में 1.8% तक की तेजी रही। सनफार्मा और एयरटेल 1.8% तक फिसले। निफ्टी के 50 शेयरों में से 46 में तेजी और 4 में गिरावट रही। ठरए के ऋ्रउऋ इंडेक्स में 1.63%, प्राइवेट बैंक में 1.08%, क्ळ इंडेक्स में 0.95%, मेटल में 0.76% और रियल्टी में 0.64% की तेजी रही। फार्मा और हेल्थ केयर में मामूली गिरावट रही।एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई करीब 175 अंक ऊपर 37,300 और कोरिया का कोस्पी 2 अंक ऊपर 2,592 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स 250 अंक ऊपर 84,000 के पार:निफ्टी में 100 अंक की उछाल, ये 25,630 पर; मेटल और सरकारी बैंकिंग शेयरों में तेजी

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार 27 जून को सेंसेक्स 250 अंक ऊपर 84,000 के पार करीब कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी करीब 100 अंक की तेजी है, ये 25,630 पर है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी है। टाटा स्टील, छ&ळ, रइक और ठळढउ के शेयरों में 1.3% की तेजी है। लउऋ, कोटक बैंक और बजाज फिनसर्व गिरकर कारोबार कर रहे हैं।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 38 में तेजी है। ठरए के मेटल और सरकारी बैंकिंग 1% चढ़े हैं। ऑटो, क्ळ, मीडिया और फार्मा में 0.50% की तेजी है। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 1.59% ऊपर 40,215 के स्तर पर और कोरिया का कोस्पी 0.85% गिरकर 3,053 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स फ्लैट 24,327 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.21% गिरकर 3,441 पर कारोबार कर रहा है। 26 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.94% नीचे 43,387 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 0.97% ऊपर 20,168 पर और र&ढ 500 0.80% चढ़कर 6,141 पर बंद हुए। कल विदेशी निवेशकों ने 12,594 करोड़ के शेयर खरीदे 26 जून को विदेशी निवेशकों (ऋकक) ने कैश सेगमेंट में 12,594.38 करोड़ रुपए की खरीदारी की। वहीं, घरेलू निवेशकों (ऊकक) ने 195.23 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे।

जून महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 6,923.46 करोड़ और घरेलू निवेशकों ने 69,765.40 करोड़ की नेट खरीदारी है। मई महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 11,773.25 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में 67,642.34 करोड़ की नेट खरीदारी की थी।

इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेस का आज से ओपन क्रॉप प्रोटेक्शन, प्लांट न्यूट्रिएंट्स और बायोलॉजिकल प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेस का क्ढड आज यानी गुरुवार, 26 जून से ओपन हो गया है। निवेशक इस इश्यू के लिए 30 जून तक बोली लगा सकेंगे। 3 जुलाई को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।'तीन महीने पहले असम में हमने 50,000 करोड़ रुपए के निवेश का संकल्प लिया था। आज एक बार फिर आपके नेतृत्व से प्रेरित होकर मैं घोषणा करता हूं कि अडानी ग्रुप अगले 10 साल के लिए पूर्वोत्तर में अतिरिक्त 50,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा।

भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई की जोरदार वापसी, जून में अब तक 8915 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस हफ्ते भारतीय इक्विटी बाजार में भारी निवेश किया है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार विदेशी निवेशकों ने 23 जून से 27 जून के सप्ताह के दौरान भारतीय बाजार में 13,107.54 करोड़ रुपये डाले हैं। यह निवेश भारतीय शेयर बाजारों में निवेशकों के मजबूत विश्वास को दशार्ता है। आंकड़ों से पता चला कि विदेशी निवेशकों ने खासकर सोमवार और शुक्रवार को बढ़-चढ़कर बाजारों में पैसे डाले। इन नए निवेशों के साथ जून के महीने में कुल शुद्ध निवेश अब 8,915 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

पश्चिम एशिया में हुए संघर्ष विराम ने बाजार को सहारा दिया विदेशी निवेशकों की गतिविधियों में यह बदलाव हाल के दिनों मे अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच भू-राजनीतिक तनाव कम होने के बाद आया है। संघर्ष विराम के बाद वैश्विक बाजार की धारणा में सुधार हुआ है। इससे विदेशी निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों को अधिक सकारात्मक रूप से देखने के लिए प्रोत्साहित हुए हैं। वैश्विक स्थिरता, नीतिगत समर्थन और मजबूत आर्थिक संकेतकों के संयोजन ने इस समय भारत को विदेशी निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना दिया है।

ब्याज दरों में कटौती और कम महंगाई का भी असर पड़ा – इसके अलावा, मजबूत घरेलू बुनियादी तत्व इस नए रुझान का समर्थन कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में ब्याज दरों में 50 आधार अंकों की कटौती की है। इससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही, देश में मुद्रास्फीति निम्न स्तर पर बनी हुई है, जिससे निवेशकों का विश्वास मजबूत हुआ है। इससे पहले मई में शुद्ध एफपीआई प्रवाह सकारात्मक रहा और 19,860 करोड़ रुपये रहा। इससे मई विदेशी निवेश के मामले में इस साल अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला महीना बन गया।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले की सैंज घाटी में बादल फटने से आई बाढ़ के बाद मलबे में फंसी एक दमकल गाड़ी।

सीएम ने 8 अफसरों को किया सस्पेंड, डिजाइन और निर्माण एजेंसी भी ब्लैकलिस्ट

भोपाल में 90 डिग्री मोड़ वाले ब्रिज को लेकर एक्शन

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल के 90 डिग्री एंगल वाले ऐशबाग आरओबी के निर्माण में हुई गंभीर लापरवाही पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 8 अफसरों को सस्पेंड करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा है कि मैंने संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए थे। जांच रिपोर्ट के आधार पर लोक निर्माण विभाग के 8 इंजीनियर्स के खिलाफ कार्रवाई की गई है। दो सीई सहित सात इंजीनियर्स को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। एक सेवानिवृत एसई के खिलाफ विभागीय जांच की जाएगी। इस प्रोजेक्ट में आरओबी का त्रुटिपूर्ण डिजाइन प्रस्तुत करने पर निर्माण एजेंसी एवं डिजाइन कंसल्टेंट, दोनों को ब्लैक लिस्ट किया है। आरओबी में आवश्यक सुधार के लिए कमेटी बनाई गई है। सुधार के बाद ही आरओबी का लोकार्पण किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव लोक निर्माण विभाग नीरज मंडलोई ने बताया कि जिन अफसरों पर कार्रवाई हुई है। उनके खिलाफ कल आरोप तय किए जाएंगे।

एक्शन

समय-सीमा से एक साल प्रोजेक्ट लेट

ऐशबाग रेलवे ओवरब्रिज (ROB) का निर्माण 21 मई 2022 को शुरु था। समय-सीमा से प्रोजेक्ट एक साल देरी से चल रहा है। 17 करोड़ 37 लाख की लागत वाले ब्रिज का निर्माण अगस्त 2024 में पूरा होना था। लेकिन, जून 2025 में भी इसे बनाने की प्रक्रिया जारी है।

मंत्री राकेश सिंह ने कराई थी जांच

बता दें, पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) से जांच करवाई थी। एनएचएआई ने ब्रिज को लेकर अपनी रिपोर्ट तैयार की थी, जिसमें 35-40 किमी प्रति घंटा से अधिक गति से गाड़ी नहीं चलाने का सुझाव दिया गया है। इससे अधिक स्पीड में गाड़ी चली तो हादसा होने का खतरा है। ऐसे में इस ब्रिज को रिडिजाइन करने का फैसला लिया गया है। हालांकि इस मामले में अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

सोशल मीडिया पर मीम्स भी बने

भोपाल में बने इस रेलवे ओवरब्रिज को लेकर लोगों ने सोशल मीडिया पर मीम्स भी बनाए हैं। इस ब्रिज पर 90 डिग्री के एंगल से मोड़ दिया गया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि यहां वाहन कैसे टर्न लेंगे। वाहनों के या तो ब्रिज की दीवारों से या फिर आपस में टकराने का खतरा बना रहेगा।

क्रॉसिंग बंद होने से ब्रिज की जरुरत : ब्रिज के निर्माण के समय रेलवे ने भी 90 डिग्री की इस टर्निंग पर आपत्ति की थी, लेकिन पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों ने यहां जगह कम होने का हवाला देते हुए कहा था कि और कोई विकल्प नहीं है। ऐशबाग रेलवे क्रॉसिंग बंद होने के बाद इस इलाके के लिए आरओबी एक बड़ी जरुरत है। इसलिए कम जगह में भी इसे बनाना होगा।

18 महीने में बनकर तैयार होना था : इस ब्रिज का निर्माण मई 2022 में शुरु हुआ था और इसे 18 महीने में पूरा करना था, लेकिन अब तक पूरी तरह से नहीं बन सका है। इसकी लागत 18 करोड़ रुपए है। 648 मीटर लंबे और 8 मीटर की चौड़ाई वाले ब्रिज का 70 मीटर हिस्सा रेलवे का है। ऐशबाग रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन आरओबी पर 90 डिग्री के मोड़ को लेकर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने रिपोर्ट तैयार की है। इसके मुताबिक यहां 35-40 किमी प्रति घंटा से अधिक गति से गाड़ी नहीं चलाई जा सकेगी।

शॉट न्यूज

बुजुर्ग महिला से लूट, पीछा करते समय बेटी घायल

ग्वालियर। ग्वालियर के बहोड़ापुर इलाके में रात एक बाइक सवार बदमाश ने 61 साल की एक महिला के गले से सोने की चेन छीन ली। महिला अपनी बेटी के घर से लौट रही थी और घर के दरवाजे पर ही पहुंची थीं, तभी यह घटना हुई। घटना के समय उनकी बेटी भी साथ थी। जैसे ही बदमाश ने चेन छीनी, बेटी ने उसका पीछा किया, लेकिन दौड़ते वक्त वह गिर गई और चोटिल हो गई। महिला का नाम गीता देवी है और वे विनय नगर सेक्टर-4 में रहती हैं। उनके घर के पास ही उनकी बड़ी बेटी का घर है। गीता देवी रात को बेटी के घर से लौट रही थीं। रास्ते में उन्होंने एक बाइक सवार युवक को खड़ा देखा और बेटी से कहा कि यह संदिग्ध लग रहा है, सावधान रहना। लेकिन किसी ने सोचा नहीं था कि वही बाइक सवार उनकी चेन छीन लेगा।

वायरल वीडियो देखकर बनाया ठगी का प्लान

जबलपुर। 45 वर्षीय अतिथि शिक्षक इंद्र कुमार तिवारी की उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में हत्या कर दी गई। आरोप एक दंपती पर है, जिसने इंद्र कुमार को शादी का झांसा देकर बुलाया। फिर जेवरात और नकदी लूटने के बाद चाकू से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। उत्तर प्रदेश पुलिस ने आरोपी- कौशल गौर और उसकी पत्नी खुशी उर्फ शाहिदा बानो को गिरफ्तार कर लिया है। लूटे गए आभूषण और रुपयों के बारे में पूछताछ की जा रही है। मझौली के पड़वार गांव निवासी अतिथि शिक्षक तिवारी 3 से 10 मई तक जबलपुर के रिवंझा गांव में अनिरुद्धाचार्य महाराज की कथा में शामिल हुए थे। यहां उन्होंने महाराज से सवाल किया था, 'मेरी शादी कब होगी?' उनका ये वीडियो वायरल हुआ था।

जबलपुर में चोरी हुए 12 लाख के टायर बरामद

जबलपुर। जबलपुर पुलिस ने ऐसे शातिर चोर गिरोह का खुलासा किया है जो रात में सड़क पर खड़ी कार के चक्के चुराया करते थे। गोहलपुर पुलिस ने चार चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से 20 टायर, एलॉय व्हील के साथ चक्के खोलने की टूल किट भी बरामद की है। पुलिस ने एक कार को भी जब्त किया है, जिसमें यह लोग रात को चोरी के लिए निकलते थे, रात को चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद दिन में ये आराम किया करते थे। हाल ही में इन चोरों ने संजीवनी नगर में एक कार के चारों टायर चोरी किए थे, जिसके बाद कार मालिक ने संजीवनी नगर थाना पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। जांच के दौरान पता चला कि इससे पहले इन चोरों ने गोहलपुर में भी इसी तरह की कई चोरियां कर चुके थे। पता चला कि चार लोगों का गिरोह शहर में घूम-घूमकर चोरी किया करता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मिलेगा विशेषज्ञ डॉक्टरों से इलाज

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में यह सुविधा, 876 PG डॉक्टर्स की पदस्थापना के आदेश जारी

संवाददाता ● भोपाल

अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) तक में विशेषज्ञ डॉक्टर मिलेंगे। स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को बॉन्ड पोस्टिंग के तहत 876 PG डॉक्टर्स की पदस्थापना के आदेश जारी किए। जिससे लंबे समय से खाली पड़े और डॉक्टरों की कमी वाले हेल्थ सेंटर्स पर मरीजों को इलाज मिलेगा। इसके अलावा, विभाग रेडियोग्राफर और लैब टेक्नीशियन पदों के लिए काउंसलिंग 1 जुलाई से शुरू कराने जा रहा है, जिससे चिकित्सकीय संसाधनों में और वृद्धि होगी। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हर नागरिक को सुलभ हेल्थ फैसिलिटीज मिलें। इसके लिए चिकित्सक भर्ती प्रक्रिया, चिकित्सा महाविद्यालयों की क्षमता वृद्धि और स्वास्थ्य संस्थानों के अधोसंरचना विकास के कार्य जारी हैं। 876 विशेषज्ञ डॉक्टरों की पदस्थापना से प्रदेश में चिकित्सकीय संसाधनों को मजबूती मिलेगी। उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने पदस्थ सभी चिकित्सकों से अपील की है कि वे कर्तव्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ ड्यूटी करें। यह पदस्थापनाएं उन चिकित्सकों की हैं जिन्होंने सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों से PG किया है।

आदेश

रेडियोग्राफर और लैब टेक्नीशियन पदों के लिए काउंसलिंग – स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने आयोजित संयुक्त भर्ती परीक्षा वर्ष 2024 (समूह-5) के तहत रेडियोग्राफर और लैब टेक्नीशियन के परीक्षा परिणाम घोषित किए जा चुके हैं। इन पदों पर चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के सत्यापन और नियुक्ति की प्रक्रिया हेतु काउंसलिंग मंगलवार से शुरू की जा रही है। परीक्षा में पास हुए कैंडिडेट्स काउंसलिंग संबंधी सूचना उनके मोबाइल नंबर और मेल ID पर भेजी जाएगी, जो उन्होंने मंडल को आवेदन के समय दी थी।

पत्नी को थी गुटखा खाने की आदत, परेशान होकर पति घर छोड़कर भागा, तो महिला ने लगाई फांसी

भोपाल। अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित वल्लभ नगर में एक 23 वर्षीय नव विवाहिता ने शादी के दो महीने बाद फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। महिला गुटखा खाने की आदी थी और इसको लेकर शुक्रवार रात को उसका पति से झगड़ा हुआ था। इसके बाद पति अपनी मां के घर चला गया था, वहीं महिला घर में अकेली थी। सुबह पति घर वापस पहुंचा तो पत्नी फांसी के फंदे पर झूलती मिली। साथ ही कमरे की दीवार पर उसने लिपिस्टिक से सुसाइड नोट लिखा है, जिसमें उसने अपनी सास और किरायेदार समेत तीन लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। अरेरा हिल्स थाना पुलिस मौत के कारणों की जांच कर रही है। एएसआइ अकरम खान ने बताया कि 23 वर्षीय प्रियंका बमन पति कीविन वल्लभ नगर बस्ती में रहती थी। उसका मायका बागसेवनिया स्थित अमरई गांव में है। वल्लभनगर में रहने वाले कीविन से उसका लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों अलग-अलग समाज से थे, लेकिन घर वालों को मनाकर दोनों ने 21 अप्रैल को अरेंज मैरिज की थी। कीविन का परिवार इस शादी से खुश नहीं था, जिसके बाद प्रियंका अपने पति कीविन के साथ वल्लभ नगर में ही एक किराये के कमरे में रहती थी। पति फ्लैक्स प्रिंटिंग का काम करता है। स्वजनों ने बताया कि प्रियंका गुटखा खाने की आदी थी। इस बात पर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। शुक्रवार रात करीब 12 बजे भी दोनों के बीच घर में इसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। विवाद बढ़ने के बाद पति उसे घर में अकेला छोड़कर मां के घर पहुंच गया। इस दौरान पति घर में ही अपना मोबाइल भूल गया था। वह सुबह चार बजे वापस घर पहुंचा तो देखा कि दरवाजा अंदर से बंद है। कई बार दरवाजा खटखटाने पर भी प्रियंका ने दरवाजा नहीं खोला तो उसे संदेह हुआ। उसने स्वजनों और पड़ोसियों को बुलाकर दरवाजा तोड़ा तो अंदर प्रियंका फंदे पर लटकी मिली।

प्रोफेसर भर्ती फर्जीवाड़ा मामला

बीयू ने सुनवाई में शामिल नहीं होने वाले 10 कालेजों को भेजा नोटिस

संवाददाता ● भोपाल

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय में प्रोफेसरों की भर्ती को लेकर फर्जीवाड़े के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। बीयू से संबद्ध 45 निजी कॉलेजों द्वारा प्रोफेसरों की भर्ती को लेकर किए जा रहे फर्जीवाड़े को लेकर उनकी संबद्धता समाप्त भी की जा सकती है। इसमें राजधानी के 10 निजी कॉलेजों के भी नाम हैं। इसमें एमके पोंडा कॉलेज, आइएसकाम कॉलेज, आनंद विहार महिला कॉलेज, राजीव गांधी विधि कॉलेज, टीआइटी कॉलेज, राजगढ़ का आदर्श महाविद्यालय सहित अन्य बीएड, एमबीए और विधि पाठ्यक्रम संचालित करने वाले कॉलेज हैं, जो प्रोफेसरों की भर्ती में फर्जीवाड़ा कर रहे हैं। बता दें कि बीयू प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसने निजी कालेजों से फैकल्टी का डेटा वेबसाइट पर अपलोड कराया। इसके बाद कालेजों द्वारा यह फर्जीवाड़ा सामने आया कि एक प्रोफेसर का नाम दो कॉलेज में है। वहीं कुछ प्रोफेसर उस कॉलेज में पढ़ा नहीं रहे हैं, लेकिन उनका नाम फैकल्टी की सूची में दर्ज है।

मामला

इसके लिए बीयू ने न्यायाधिकरण भी गठित किया। इसके अध्यक्ष डॉ. एसके मल्होत्रा ने करीब 20 कॉलेजों को नोटिस देकर जवाब मांगा है। इसका निराकरण करने के लिए दो दिन सुनवाई हुई है। इसमें करीब 10 कॉलेज उपस्थित नहीं हुए। बीयू ने उन्हें नोटिस देकर जवाब-तलब किया है। अगर ये कॉलेज उचित जवाब नहीं देते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए संबद्धता समाप्त होने के साथ ही उच्च शिक्षा विभाग से उनके खिलाफ मान्यता खत्म करने की अनुशंसा की जाएगी।

इस तरह का फर्जीवाड़ा हुआ

कई कालेजों में विद्यार्थी का नाम फैकल्टी की सूची में शामिल है। एक प्रोफेसर का नाम तीन कॉलेज में दर्ज है। साक्षात्कार में बुलाए गए प्रोफेसरों के दस्तावेजों का भी फैकल्टी के रूप में उपयोग किया जा रहा है। जो प्रोफेसर कुछ समय पहले कॉलेज छोड़ चुके हैं, इसके बावजूद उनका नाम कॉलेज की फैकल्टी सूची में दर्ज है। कुछ कॉलेज फैकल्टी की सूची में प्रोफेसरों के नाम दर्ज किए हैं, वे पढ़ा रहे हैं, लेकिन उनको वेतन नहीं दिया जा रहा है। निजी कॉलेज यूजीसी गाइडलाइन के मुताबिक फैकल्टी को वेतन नहीं दे रहा है।

भोपाल में लगे ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई के पोस्टर

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-6 के पास स्थित ईरानी डेरा में इस बार मोहर्रम के मौके पर ईरान के नेताओं के पोस्टर लगाए गए हैं। कई जगहों पर शिया समुदाय के प्रभावशाली धार्मिक और सैन्य नेताओं आयतुल्ला अली खामेनेई, अली अल सिस्तानी, जनरल मोहम्मद बाघेरी, कासिम सुलेमानी और अयातुल्ला खोमैनी के बड़े-बड़े पोस्टर्स लगाए गए हैं। एक जगह आयतुल्ला अली खामेनेई का फोटो तिरंगे के नीचे लगा है।

फतेहपुर से भोपाल आए ईरानी डेरे के इमाम शाहकार हुसैन ने कहा कि हर साल पोस्टर्स लगाए जाते हैं, लेकिन इस बार संख्या ज्यादा है। इसकी वजह है 12 दिन की वह जंग, जिसे इजराइल ने बुजदिलाना

अंदाज में शुरू किया और ईरान ने करारा जवाब दिया। इजराइल-ईरान के बीच संघर्ष विराम को लेकर उन्होंने कहा कि सीजफायर की मांग खुद इजराइल-अमेरिका ने की। यह सिर्फ ईरान नहीं, इंसाफ पसंद तमाम लोगों की जीत है।

ईरानी डेरे के इमाम शाहकार हुसैन के मुताबिक, आयतुल्ला खामेनेई ने खुद कहा है कि यह जीत मोहर्रम की देन है। हमने इमाम हुसैन से सीखा है कि जुल्म के खिलाफ सिर नहीं झुकाते। मोहर्रम का यही संदेश है और इस बार इसे दुनिया के सामने रखना जरूरी था कि हक की राह पर चलने वाले कभी हारते नहीं। शाहकार हुसैन ने कहा- यहां जो बैनर लगे हैं, वे कोई सेलिब्रेशन नहीं, बल्कि एक वैचारिक प्रदर्शन हैं। यह दिखाने के लिए है कि अगर इमाम हुसैन की राह पर चला जाए तो बड़ी से बड़ी ताकत को झुकाया जा सकता है।

शाहकार हुसैन ने कहा कि इसमें भारत का बैलेंस रवैया रहा है। ईरानी कल्चरल हाउस ने एक लेटर जारी किया है। भारत की अवाम का शुक्रिया अदा किया है कि वह साथ में खड़े रहे, भारत का रवैया बिल्कुल सही था, जंग में किसी का फायदा नहीं है, नुकसान ही है। उन्होंने जंग रुकवाने की कोशिश भी की, मगर यूरोपियन कंट्रीज का स्टैंड गलत था। उन्होंने इसकी कहीं भी मजम्मत नहीं की।

नदियां, झरने और वादियां...अद्भुत होता इन पर्यटन स्थलों का दृश्य

बारिश में आकर्षक और मनमोहक हो जाता है 'देश का दिल'

संवाददाता ● भोपाल

मप्र के प्राकृतिक पर्यटन स्थल वैसे तो 12 महीने सैलानियों को आकर्षित करते हैं, लेकिन कुछ ऐसे स्थल भी हैं, मानसून सीजन में जिनकी रौनक को चार चांद लग जाते हैं और प्रतिवर्ष देश-विदेश के सैलानियों को इन स्थलों पर आने के लिए बारिश की बूंदों का इंतजार होता है। देश का दिल कहा जाने वाला यह राज्य अपनी ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। बारिश के मौसम में यह राज्य और भी अधिक आकर्षक हो जाता है। चारों और फैली हरियाली, बहती नदियों और पर्वतों से गिरते झरनों के कारण पर्यटकों को अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव कराते हैं। मानसून का सीजन एक बार फिर आ चुका है। ऐसे में पचमढ़ी, मांडू, अमरकंटक और तामिया घूमने की बात ही अलग है। बता दें कि इन स्थलों पर हरियाली की चादर ओढ़े वादियां बादलों से सीधा संवाद करती हैं। इन गंतव्यों पर इस सीजन में हर साल हजारों सैलानी प्रतिवर्ष पहुंचते हैं। प्रदेश के स्थित नेशलन पार्क अब सैलानियों के लिए बंद होने वाले हैं और ऐसे समय में हम इन पर्यटन स्थलों के बारे में बता रहे हैं।

दृश्य

पचमढ़ी: बारिश में होती हैं रोमांचक गतिविधियां

बारिश के मौसम में सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी में हरियाली और झरने बहुत ही खूबसूरत लगते हैं। यह मध्य प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है, जो बारिश के मौसम में स्वर्ग सा लगता है। बादल मानों धरती पर उतर आते हों। यहां की हरियाली, झरने और घुमावदार रास्ते मन मोह लेते हैं। यहां के प्रमुख आकर्षणों में बी फाल्स, अप्सरा विहार और धूपगढ़ शामिल हैं, जहां से सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत नजारा देखा जा सकता है। मप्र पर्यटन विभाग की ओर से यहां इस सीजन में मानसून मैराथन का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें देश भर के प्रतिभागी हिस्सा लेते हैं। साइकिलिंग और ट्रेकिंग भी इस सीजन में खूब होती है। इस बार मानसून मैराथन 20 जुलाई को है।

अमरकंटक: तीन नदियों का उद्गम स्थल

अमरकंटक मध्य प्रदेश का एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक नर्मदा के अलावा सोन और जोहिला यहां से निकलती हैं। यदि आप प्रकृति को निहारना पसंद करते है, तो मानसून के दौरान अमरकंटक से कुछ दूरी पर स्थित कई खूबसूरत स्थल आपको जरुर देखने चाहिए, जैसे नर्मदा उद्गम मंदिर नर्मदा कुंड, सोनमुड़ा (सोन नदी का स्रोत), दुग्धधारा जल प्रपात और कपिलधारा जल प्रपात जो अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य से घिरे हुए हैं।

दैनिक आदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, सोमवार, 30 जून, 2025
www.adityabharat.com

इलियाना डिक्रूज दूसरी बार बनीं मां

एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर दी बेटे के जन्म की जानकारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज दूसरी बार मां बनी हैं और अपने बच्चे की झलक भी फैन्स के साथ शेयर की है। साल 2014 में आई फिल्म हैप्पी एंडिंग में सैफ अली खान की हीरोइन रहीं इलियाना डिक्रूज ने जैसे ही अपने दूसरे बेबी की तस्वीर शेयर की तो बधाइयों का तांता लग गया। बॉलीवुड के तमाम सितारों समेत फैन्स ने भी उन्हें दूसरी बार मां बनने की बधाई दी है। एक्ट्रेस आथिया शेट्टी ने भी प्यार भरा बधाई संदेश इस तस्वीर के कैप्शन में लिखा है। इलियाना ने लिखा, 'मेरा दिल बहुद भर गया है।'

बता दें कि इलियाना ने बीते 19 जून को अपने दूसरे बेबी को जन्म दिया है। अब 28 जून को इसकी तस्वीर शेयर कर इसकी जानकारी दी है। प्रियंका चोपड़ा ने भी इलियाना को मां बनने की बधाई दी है। इलियाना ने अपने दूसरे बच्चे जो बेटा है का नाम 'केनू राफे डोलान' रखा है। इलियाना ने 2 साल पहले अपने पति माइकल डोलान से एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की थी। इलियाना ने अपनी निजी जिंदगी को काफी प्राइवेट रखा है और अपने पति के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। साल 2023 में ही इलियाना मां बनी थीं और एक बेटे को जन्म दिया था। इसके बाद अब इलियाना एक बार फिर मां बनी हैं और अब बधाइयां ले रही हैं।

बता दें कि इलियाना डिक्रूज अपने करियर में अब तक 35 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इतना ही नहीं इलियाना ने अपने करियर में कई हिट फिल्में भी दी हैं। साल 2012 में आई फिल्म 'बर्फी' में इलियाना ने प्रियंका चोपड़ा और रणबीर कपूर के साथ भी स्क्रीन शेयर की है। इलियाना ने साल 2006 में आई फिल्म 'देवदासू' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कई फिल्में दीं और स्टार बन गईं। साल 2012 में इलियाना ने बर्फी फिल्म से बॉलीवुड में अपनी करियर जर्नी शुरू की थी। इसके बाद इलियाना अब तक 35 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं और सैफ अली खान जैसे सितारों के साथ भी ऑनस्क्रीन रोमांस कर चुकी हैं।

44 साल की श्वेता ने ब्रालेट में दिखाई कातिलाना अदाएं

'कसौटी जिंदगी की' की प्रेरणा आज 24 साल बाद भी उतनी ही हसीन हैं, जितनी पहले हुआ करती थीं। टीवी पर सालों तक राज करने वालीं श्वेता तिवारी भले ही अब छोटे पर्दे पर कम दिखाई देती हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर वह बराबर एक्टिव रहती हैं। श्वेता तिवारी सबसे ज्यादा अपनी ग्लैमरस फोटोज के लिए चर्चा में रहती हैं। 44 साल की उम्र में उनका फैशन यंग हीरोइनों को टक्कर देता है। बोल्डनेस के मामले में भी श्वेता तिवारी का कोई तोड़ नहीं है। उनकी लेटेस्ट वेकेशन की फोटोज इस बात का सबूत हैं। दरअसल, श्वेता तिवारी अपनी बेटी पलक तिवारी और अपने बेटे के साथ बीच वेकेशन मनाने गई हैं। हाल ही में, एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने वेकेशन से ढेर सारी तस्वीरें शेयर की हैं। फोटोज में श्वेता समंदर किनारे ब्रालेट टॉप और मिनी स्कर्ट में अपना कातिलाना अंदाज दिखाते हुए नजर आ रही हैं। श्वेता तिवारी ने समंदर किनारे ब्लैक एंड व्हाइट ब्रालेट और काला चश्मा लगाए एक से बढ़कर एक पोज दिए। वह इन तस्वीरों में इतनी खूबसूरत लग रही थीं कि लोग कह रहे हैं कि उन्हें पलक तिवारी की दीदी बता रहे हैं। एक ने कहा, 'मम्मी बेटी से ज्यादा तबाही है।' एक ने कहा कि वह बहुत ग्लो कर रही हैं। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'बीच पर मैजिक।' पलक तिवारी ने भी अपनी मां श्वेता के साथ वेकेशन की फोटोज शेयर की हैं। एक तस्वीर में वह मां के साथ सेल्फी लेती दिखीं। बाकी फोटोज में वह समंदर किनारे सोलो ग्लैमरस पोज दे रही हैं। रेड एंड व्हाइट बिकिनी में पलक स्टनिंग लग रही हैं। आखिरी बार श्वेता तिवारी को टीवी शो आपका अपना जाकिर में देखा गया था। वह रोहित शेट्टी निर्देशित फिल्म सिंघम अगेन में भी एसीपी की भूमिका में नजर आई थीं।

पूजा बनर्जी और पति पर गोवा में केस दर्ज

एक्ट्रेस पूजा बनर्जी और उनके पति कुणाल वर्मा के खिलाफ गोवा में केस दर्ज किया गया है। दोनों पर आरोप लगा है कि उन्होंने बंगाली फिल्म प्रोड्यूसर श्याम सुंदर डे का अपहरण कर 23 लाख रुपए वसूले। पूजा बनर्जी और उनके पति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं में केस दर्ज है। इसमें धारा 126 (2) (गलत तरीके से रोकना), 137 (2) (अपहरण), 140 (2) (फिरौती के लिए अपहरण), 308 (5) (वसूली), 115 (2) (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 351 (3) (आपराधिक धमकी) शामिल हैं। दरअसल, प्रोड्यूसर श्याम सुंदर डे की पत्नी मालबिका की शिकायत पर 12 जून को कोलकाता के पनाचे पुलिस स्टेशन में पहली बार एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि चूंकि कथित घटना उत्तरी गोवा में हुई थी, इसलिए बाद में मामला कलंगुट पुलिस को सौंप दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, गोवा पुलिस ने बताया कि उन्हें पश्चिम बंगाल के बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय से जीरो एफआईआर मिली। इसके बाद कलंगुट पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया। पुलिस ने श्याम सुंदर और मालबिका को 2 जुलाई को पूछताछ के लिए कलंगुट पुलिस स्टेशन में हाजिर होने का आदेश दिया है। वहीं, आरोपों को लेकर पहली बार चुप्पी तोड़ते हुए इंस्टाग्राम पोस्ट पर पूजा बनर्जी ने लिखा- 'हम अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल समय से गुजर रहे हैं। जो लोग हमारे साथ खड़े हैं उनका हम हमेशा शुक्रिया अदा करेंगे। और जो हमारे खिलाफ फैलाए जा रहे झूठ पर यकीन कर रहे हैं, भगवान उन्हें भी आशीर्वाद दें। मैं भगवान में भरोसा करती हूं और जानती हूं- भगवान देख रहा है।' बता दें कि पूजा बनर्जी और कुणाल वर्मा पर बंगाली फिल्ममेकर श्याम सुंदर डे ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि दोनों ने गोवा में उनका अपहरण किया और उनसे लाखों की वसूली भी की। वहीं, इस मामले में जब दैनिक भास्कर ने कुणाल वर्मा से उनका पक्ष जानने की कोशिश की थी, तो उनका कहना था कि अभी तक मीडिया में केवल एक ही पक्ष सामने आया है। मुझे थोड़ा समय दीजिए। मैं 48 घंटे के अंदर इस मामले में अपना बयान दूंगा। हालांकि, कई दिन बीत जाने के बाद कुणाल की तरफ से कोई रिएक्शन सामने नहीं आया। श्याम सुंदर ने दोनों पति-पत्नी पूजा बनर्जी और कुणाल वर्मा पर आरोप लगाते हुए कहा था, 'मैं अपने परिवार के साथ लगभग पांच दिन गोवा में छुट्टियां बिताने गया था, लेकिन बच्चों की पढ़ाई के कारण परिवार घर लौट गया और मैं कुछ बिजनेस के काम के कारण वहीं रुका। इसी दौरान जब मैं ड्राइविंग कर रहा था, तभी एक काले रंग की जैगुआर मेरी गाड़ी को सड़क पर रोककर खड़ी हो गई। दो आदमी नीचे उतरे, मेरे पास आए और मुझसे बाहर निकलने को कहा।

अभिषेक ने शुरू की किंग की शूटिंग, अमिताभ ने बेटे के लिए किया ट्वीट

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन शाहरुख खान की फिल्म किंग में नजर आनेवाले हैं। उन्होंने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। अमिताभ बच्चन ने इस बात की जानकारी अपने ट्वीट से दी है। पोस्ट के जरिए अमिताभ बच्चन ने अभिषेक बच्चन के लिए शुभकामनाएं और प्यार भेजा। अमिताभ बच्चन अक्सर बेटे अभिषेक बच्चन को चीयर करते हैं। अमिताभ बच्चन ने ट्वीट करके लिखा, 'एक चाप के कुछ ही दिनों में, रिलीज होने वाली हैऔर एक नई फिल्म की शुरुआत हो गई हैपहला दिन फिल्म किंग की शूटिंगमेरा आशीर्वाद भैय्यूप्यार। और एक और फिल्म की शूटिंग पूरी हुई और तैयार हुई और जल्द आ रही हैमेरी प्रार्थनाएं हमेशा। बता दें, अभिषेक बच्चन की फिल्म कालीधर लापता 04 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी। फिल्म में अभिषेक कालीधर का किरदार निभा रहे हैं जो घर छोड़कर भाग जाता है क्योंकि वो अपने परिवार के लिए समय निकाल-निकाल कर थक चुका है। इस सफर पर अभिषेक की मुलाकात एक बच्चे से होती है। फिल्म की कहानी आपको इमोशनल कर देगी। वहीं, शाहरुख खान की किंग की बात करें तो फिल्म में अभिषेक बच्चन विलेन के किरदार में नजर आ सकते हैं। शाहरुख की इस फिल्म में बॉलीवुड के कई बड़े चेहरे नजर आनेवाले हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना भी नजर आएंगी।

सरदार जी 3 विवाद के बीच दिलजीत के सपोर्ट में आए इम्तियाज अली, बोले- 'वो तिरंगे के साथ'

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत सिंह इन दिनों अपनी फिल्म सरदार जी 3 के चलते चर्चा में हैं। उनकी फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर हैं जिसके चलते बवाल मचा हुआ है। दिलजीत की ये फिल्म अभी भारत में रिलीज नहीं हुई है, लेकिन विदेशों में रिलीज हो चुकी है। भारत में फिल्म का विरोध हो रहा है। इस विवाद के बीच इम्तियाज अली ने दिलजीत सिंह का सपोर्ट किया है। उन्होंने कहा कि दिलजीत धरती के बेटे हैं। डायरेक्टर इम्तियाज अलि ने दिलजीत सिंह के साथ अमर सिंह चमकीला में काम किया है। अपने एक्टर के बारे में बात करते हुए इम्तियाज अली ने एनडीटीवी से कहा कि वो फिल्म (सरदार जी 3) के लेकर हो रहे विवाद के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बोल सकते, लेकिन दिलजीत में देशभक्ति का जज्बा पूरा भरा हुआ है। इम्तियाज ने कहा, "मैं विवाद के बारे में ज्यादा नहीं बोल सकता, लेकिन क्योंकि मैं दिलजीत को जानता हूं, मैं कह सकता हूं कि उसमें देशभक्ति का जज्बा पूरा भरा हुआ है। वो धरती के बेटे हैं। आप उनके सारे कॉन्सट्र्स में देख सकते हैं, वो तिरंगे के साथ नजर आते हैं। वो ऐसे शख्स नहीं हैं जो कुछ नकली करें। नकलीपन के साथ वो कुछ नहीं करता है। किसी ने उसे ऐसा करने के लिए कहा नहीं है। अपने कॉन्सट्र्स के आखिर में वो तिरंगे के साथ कहता है मैं हूं पंजाब।" इम्तियाज ने आगे दिलजीत के बचाव में कहा, 'मुझे नहीं पता कि वो कैसे गया, लेकिन मुझे पता है उसके अंदर देश प्रेम बहुत ज्यादा है। जो लोग देख पाएंगे उनके अंदर के सच को, उनको ये समझ में आ जाएगा।' इम्तियाज ने ये भी कहा कि फिल्म में किसी को कास्ट करने का निर्णय एक्टर का नहीं होता है।

IT इंजीनियर थीं 'कांटा लगा गर्ल', पहली सैलरी थी सिर्फ इतनी

शेफाली जरीवाला के बारे में ये बातें जानते हैं आप?

कांटा लगा गर्ल उर्फ शेफाली जरीवाला का 27 जून की रात को 42 साल की उम्र में निधन हो गया। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस की जान कार्डियक अरेस्ट की वजह से गई। कूपर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद बीते दिन शेफाली को उनके पति पराग त्यागी परिवार और करीबी दोस्तों ने नम आंखों से आखिरी विदाई दी।

शेफाली जरीवाला ने पिछले दो दशक से इंडस्ट्री में एक्टिव रही हैं। उन्होंने बॉलीवुड से साउथ सिनेमा और टीवी इंडस्ट्री तक में काम किया है। इसके अलावा कई और बातें हैं जो शायद ही आप शेफाली के बारे में जानते हैं। तो चलिए हम आपको उनसे जुड़े फैक्ट्स के बारे में बताते हैं। 15 दिसंबर 1982 को अहमदाबादा में जन्मीं शेफाली ग्लैमर वर्ल्ड में आने से पहले इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थीं। उन्होंने सरदार पटेल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इन्फोर्मेशन टैक्नोलॉजी (IT) से बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उन्हें 15 साल की उम्र से मिर्गी का दौरा पड़ता है, जिसकी वजह से वह कांटा लगा सॉन्ग के बाद ज्यादा काम नहीं कर पाईं। 15 साल तक यह बीमारी उन्हें परेशान करती रही जिससे उनका आत्मविश्वास भी कम हो गया था।

शेफाली जरीवाला को म्यूजिक वीडियो कांटा लगा के लिए जाना जाता है। इस गाने ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया था। मगर क्या आपको पता है कि इस म्यूजिक वीडियो को करने के लिए एक्ट्रेस को खूब पापड़ बेलने पड़े थे। दरअसल, जब वह कॉलेज में थीं, तभी उन्हें कांटा लगा सॉन्ग का ऑफर मिला था। उनके पिता इसके सख्त खिलाफ थे। हालांकि, एक्ट्रेस ने काफी मशक्कत के बाद आखिरकार उन्हें मना लिया था। एक इंटरव्यू में शेफाली ने बताया था कि 2002 में रिलीज हुए कांटा लगा सॉन्ग के लिए उन्हें सिर्फ 7 हजार रुपये फीस मिली थी।

कांटा लगा के बाद शेफाली को इतनी लोकप्रियता मिली कि वह सलमान खान और अक्षय कुमार की फिल्म मुझसे शादी करोगी में भी नजर आईं। उनका कैमियो रोल भी दर्शकों को भा गया था। उन्होंने साउथ मूवी हुडुगरू में भी काम किया। उनका म्यूजिक वीडियो कभी आर कभी पार भी कांटा लगा की तरह ही वायरल हुआ था। फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज के अलावा वह बिग बॉस सीजन 13 समेत कई टीवी शोज में भी नजर आ चुकी हैं।

टीवी शोज, इवेंट्स और एड्स करने के अलावा शेफाली जरीवाला अपनी बहन के साथ बिजनेस भी करती थीं। 2016 में उन्होंने अपनी बहन के साथ मिलकर एक प्रोफेशनल ट्रेनिंग और कोचिंग कंपनी WYN शुरू की थी। शेफाली जरीवाला मीट ब्रदर्स के हरमीत सिंह के साथ साल 2004 में पहली शादी की थी। हालांकि, यह शादी ज्यादा नहीं चल पाई। एक्ट्रेस ने हरमीत के खिलाफ उत्पीड़न का आरोप लगाया था और यहां तक कि उनके खिलाफ FIR भी दर्ज करवाया था। साल 2009 में कपल का तलाक हो गया था। साल 2014 में शेफाली ने पवित्र रिश्ता फेम एक्टर पराग त्यागी से दूसरी शादी की थी। दोनों का कोई बच्चा नहीं था। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने रिवील किया था कि वह एक बेबी को गोद लेना चाहती हैं।

झुग्गी के कमरे की मुंह मांगी कीमत देने को तैयार सुपरस्टार

बॉलीवुड स्टार जैकी श्रॉफ आज 68 साल के हैं और अपनी धारदार एक्टिंग से तारीफें बटोरते रहते हैं। बीते दिनों हाउसफुल-5 में जैकी पुलिस अधिकारी का किरदार में दिखे थे। जैकी श्रॉफ आज एक झुग्गी के रूम को किराए पर लेना चाहते हैं और इसके लिए मुंह मांगी कीमत देना चाहते हैं। लेकिन फिर भी वो रूम जैकी श्रॉफ को नहीं मिल पा रहा है। इस कमरे की कहानी उनके भाई की मौत से भी जुड़ी है और खुद ही इसकी पूरी दास्तां सुनाई है। ग्लैमर की चमचमाती दुनिया में अपनी खास जगह बनाने वाले जैकी श्रॉफ की जिंदगी हमेशा से ऐसी नहीं रही। तल्खियों और गरीबी में बचपन गुजारने वाले एक्टर झुग्गियों में अपनी मां और भाई के साथ रहा करते थे। लेकिन उनकी भाई की 17 साल में मौत हो गई थी, तब जैकी महज 10 साल के थे। झुग्गी के जिस कमरे में जैकी के भाई रहते थे वो कमरा आज भी है और वहां 4 लोग रहते हैं। जैकी आज भी वहां जाते हैं और यहां खड़े होकर पान खाते हैं। जैकी इस कमरे को किराए पर लेना चाहते हैं और इसके लिए मुंहमांगी कीमत देने को भी तैयार हैं। लेकिन इस कमरे का मालिक उन्हें ये कमरा देने को तैयार नहीं है। जैकी श्रॉफ ने हाल ही में विक्की ललवानी के साथ बातचीत में इसका खुलासा किया है। जैकी बताते हैं, 'मैं कोशिश कर रहा हूं, लेकिन वे मुझे वापस नहीं दे रहे हैं। वह (मकान मालिक) सोचता है कि अगर वह मुझे यह दे देगा तो... मैं कहता हूं, 'भाई, मैं इसे लेकर भाग नहीं जाऊंगा'। यह आदमी मुझे यह नहीं दे रहा है। मैंने उससे कहा कि मेरे पुराने कमरे का किराया जो भी मिल रहा है, अब वहां चार लोग रहते हैं, मैंने उससे कहा कि मैं उतना ही चुकाऊंगा जितना वे चार लोग दे रहे हैं। लेकिन वह देना नहीं चाहता।' दरअसल इस कमरे में जैकी श्रॉफ खुद भी रहे हैं।

उस ऐतिहासिक जीत के पलों को याद किया भारतीय खिलाड़ियों ने

रोहित ने सूर्यकुमार के फाइनल में पकड़े कैच को याद किया

एजेंसी ● नई दिल्ली

29 जून वही तारीख है जब एक साल पहले भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतकर बारबाडोस में तिरंगा लहराया था। रोहित शर्मा की अगुआई में टीम इंडिया ने फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर आईसीसी ट्रॉफी जीतने के सूखे को समाप्त किया था और करोड़ों देशवासियों को खुश होने का मौका दिया था। अब रोहित शर्मा से लेकर सूर्यकुमार यादव तक ने भारतीय टीम की जीत के ऐतिहासिक पलों को याद किया है। भारत ने दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 169 रन बना सकी थी। इस जीत के साथ भारत ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर दिया था। भारत ने इससे पहले 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। वहीं, भारत ने 17 साल बाद टी20 विश्व कप और 13 साल बाद कोई विश्व कप जीता था। 2011 में भारत ने वनडे विश्व कप जीता था।

कोहली के योगदान को भी जमकर सराहा

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में सूर्यकुमार यादव के शानदार कैच को याद किया और कहा कि इस कैच ने मैच में अंतर पैदा किया। रोहित ने स्वीकार किया कि जब भारत ने जल्द ही तीन विकेट गंवा दिए थे तो वह नर्वस हो गए थे। उन्होंने साथ ही खिताब जिताने के लिए विराट कोहली की पारी को भी सराहा। भारत ने आज ही एक दिन एक साल पहले यानी 29 जून 2024 को दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था।

कैच तीसरे अम्पायर को भेजा था

रोहित ने कहा, कैच के बाद अंपायरों ने इसे तीसरे अंपायर की ओर भेजा और देखा कि सूर्यकुमार ने गेंद सही से पकड़ी है या नहीं। सभी की दिल की धड़कनें बढ़ गई थीं। मुझे लगा था कि गेंद छक्के के लिए गई है क्योंकि मैं लॉन्ग ऑन पर खड़ा था जो सूर्यकुमार के विपरीत था। मैं तो सोचना लग गया था कि अब दक्षिण अफ्रीका को पांच गेंदों पर 10 रन चाहिए, लेकिन फिर मैंने देखा कि सूर्यकुमार बीच में आ गए। उन्होंने कहा, उसे कैच को पकड़ने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है क्योंकि जब गेंद हवा में होती है तो लगता है कि ये आसानी से बाउंड्री के पार चली जाएगी। लेकिन हवा के कारण मुझे लगा कि गेंद ग्राउंड पर रही। जब अंपायर कैच को दोबारा देख रहे थे तो मैं सूर्यकुमार के पास ही खड़ा था और मैंने उससे पूछा कि तुम मुझे बताओ कैच लिया है या नहीं क्योंकि मैं बड़े स्क्रीन पर नहीं देखना चाहता। रोहित ने कहा, उसने मुझसे कहा कि मैंने कैच पकड़ा है। लेकिन फिर मैंने देखा कि वह किसी से कह रहा है कि मुझे पता नहीं, लेकिन मैंने कैच पकड़ा है। फिर उन्होंने स्क्रीन पर जूम करके दिखाया। जब स्थिति स्पष्ट हुई तो मुझे खुशी हुई। पर जब तक स्क्रीन पर फैसला नहीं देखा चैन नहीं पड़ा क्योंकि पता नहीं चलता कि तीसरा अंपायर क्या सोच रहा है।

रोहित बोले- अक्षर की पारी ने पलटा मैच

पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और केशव महाराज ने रोहित तथा ऋषभ पंत को आउट कर दिया था। फिर कगिसो रबाडा ने सूर्यकुमार को पवेलियन भेजा था जिससे भारत ने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवा दिए थे। रोहित ने कहा, जब हमने शुरुआत में ही तीन विकेट गंवा दिए तो जाहिर है कि ड्रेसिंग रुम का माहौल चिंतित हो गया था। मैं घबरा गया था और मुझे लग रहा था कि हम मैच में पिछड़ गए हैं। लेकिन मेरे दिमाग में ये भी चल रहा था कि टूर्नामेंट में हमारे मध्य क्रम को ज्यादा बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला है तो जब भी इन्हें अवसर मिलेगा वो प्रभाव छोड़ेंगे। कई लोग अक्षर पटेल की पारी के बारे में बात नहीं कर रहे लेकिन उस पारी ने ही मैच का रुख पलटा। उस वक्त 31 गेंदों पर 47 रन बनाना काफी महत्वपूर्ण था। रोहित ने कहा, हमें ऐसे बल्लेबाज की जरुरत थी जो क्रीज पर टिका रहे और कोहली ने वो भूमिका अच्छी तरह निभाई। उन्होंने पूरी पारी में अच्छी बल्लेबाजी की और फिर शिवम दुबे, अक्षर और हार्दिक ने भी अपनी भूमिका निभाई। भारत के लिए लंबे समय तक खेलने का अनुभव आपकी मदद करता है। आप उस वक्त अपनी भावनाओं और विचारों को नियंत्रित नहीं रख सकते। मुझे यकीन है कि वह उस वक्त यही सोच रहा होगा।

मिलर का कैच लेकर मैच में कराई थी वापसी

फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम को छह गेंद पर 16 रन बनाने थे। स्ट्राइक पर विस्फोटक डेविड मिलर थे। उन्होंने हार्दिक पांड्या की गेंद को सामने की ओर खेला। ऐसा लगा कि गेंद बाउंड्री के बाहर चली जाएगी, लेकिन सूर्यकुमार बीच में आ गए। उन्होंने दो प्रयासों में इस कैच को पूरा किया। सूर्यकुमार ने मिलर का कैच लेकर मैच ही पलट दिया। उनके इसी कैच ने भारत की वापसी मैच में करा दी और टीम इंडिया चैंपियन बन गई थी।

इंग्लिश खिलाड़ियों ने मानी अपनी गलती

इंग्लैंड की महिला टीम को दोहरी मार, पहले भारत से हारी मैच; अब जुर्माना भी लगाया

एजेंसी ● नई दिल्ली

इंग्लैंड की महिला टीम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत के खिलाफ टी20 मैच में धीमी ओवर गति के कारण जुर्माना लगाया है। आईसीसी ने इंग्लैंड पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। एमिरेट्स आईसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल ऑफ मैच रैफरी की हेलेन पैक ने निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंकने के बाद इंग्लैंड पर यह जुर्माना लगाया।

इंग्लैंड की कप्तान नैट सिवर-ब्रंट ने यह उल्लघंन स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित सजा स्वीकार कर ली इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर जैकलीन विलियम्स और जेम्स मिडलब्रुक, तीसरे अंपायर सू रेडफर्न और चौथे अंपायर अन्ना हैरिस ने आरोप तय किए। आईसीसी ने रविवार को एक बयान में कहा, 'खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता का अनुच्छेद 2.22 न्यूनतम ओवर गति उल्लघंन से संबंधित है जिसके अनुसार खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।' भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 97 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। शनिवार को नॉटिंघम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने कप्तान स्मृति मंधाना की शतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 210 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की महिला टीम 14.5 ओवर में सिर्फ 113 रन बना सकी और ऑलआउट हो गई।

बताया खिताबी मैच को लेकर कैसा था अहसास

टी-20 विश्व कप फाइनल से पहले घबराए हुए थे हिटमैन

एजेंसी ● नई दिल्ली

रोहित शर्मा ने बताया है कि टी20 विश्व कप 2024 फाइनल से पहले वह किस तरह घबराए हुए थे और इस मुकाबले को लेकर उनका अहसास क्या था। भारत ने आज ही एक दिन एक साल पहले यानी 29 जून 2024 को दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने इसके साथ ही आईसीसी टूर्नामेंट जीतने का 11 साल का सूखा समाप्त कर लिया था।

फाइनल के घबराहट थी

फाइनल मैच की याद करते हुए रोहित ने बताया कि किस तरह वह घबराहट में फाइनल से एक दिन पहले ठीक से नहीं सो सके थे। रोहित ने एक स्पोर्ट्स चैनल के कार्यक्रम पर कहा, 13 साल का समय बहुत लंबा होता है। ज्यादातर लोगों का करियर 13 साल का भी नहीं होता। इसलिए, विश्व कप जीतने के लिए इतने लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। मैंने आखिरी बार 2007 में विश्व कप जीता था। मेरे लिए, इससे बड़ी कोई बात नहीं हो सकती थी।

मैं पूरी रात सो नहीं पाया था- उन्होंने कहा, मैं पूरी रात सो नहीं पाया। मैं सिर्फ विश्व कप के बारे में ही सोचता रहा। मैं नर्वस था। मैं अपने पैरों को महसूस नहीं कर पा रहा था। क्या मैं नर्वस था? बेशक। मैं इसे जाहिर नहीं करता, लेकिन अंदर से, यह बहुत ज्यादा था। हमें सुबह 8:30 या 9 बजे के आसपास निकलना था, लेकिन मैं सात बजे उठा। अपने कमरे से मैं मैदान देख सकता था और बस उसे देखता रहा। मुझे याद है कि मैंने सोचा था, 'दो घंटे में मैं वहां पहुंच जाऊंगा और चार घंटे में नतीजा सामने आ जाएगा। या तो कप यहां होगा या नहीं।

फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 169 रन बना सकी थी। इस जीत के साथ भारत ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर दिया था। भारत ने इससे पहले 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। वहीं, भारत ने 17 साल बाद टी20 विश्व कप और 13 साल बाद कोई विश्व कप जीता था। 2011 में भारत ने वनडे विश्व कप जीता था। भारत की जीत के बाद ही विराट कोहली ने इस बात की घोषणा कर दी थी कि वह आगे भारत के लिए इस प्रारूप में नहीं खेलेंगे, लेकिन आईपीएल में खेलना जारी रखेंगे। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहकर फैंस को दोहरा झटका दिया था।

फीनिक्स सिटाडेल में फैशन, संस्कृति और शॉपिंग का अनोखा जश्न

1000 से ज्यादा लोग बने इसका हिस्सा!

एजेंसी ● नई दिल्ली

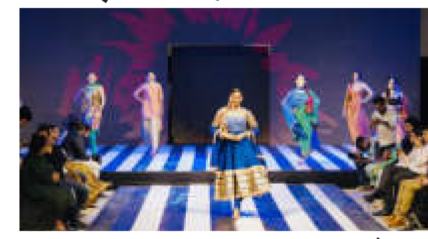

फीनिक्स सिटाडेल में इस वीकेंड का माहौल बेहद खास रहा। फीनिक्स शॉपिंग फेस्टिवल के तहत चल रही फ्लैट 50% सेल में लोगों ने 300 से भी ज्यादा ब्रांड्स से शॉपिंग का भरपूर आनंद लिया और पक्के इनाम भी जीते। यह शानदार सेल 30 जून तक जारी रहेगी। \इसी के साथ, 28 जून शनिवार को सिएना पियाज़ा में आयोजित हुआ बहुप्रतीक्षित फेलीना फैशन कल्चर शो, जिसे देखने के लिए 1000 से भी ज्यादा लोग पहुंचे। शो का आयोजन मिसेज़ पल्लवी प्रजापत के नेतृत्व में किया गया। इस बार की थीम भारत की सांस्कृतिक धरोहर पर केंद्रित थी, जिसमें विशेष रूप से खत्म होती जनजातीय परंपराओं को मंच पर उतारा गया। देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृति की झलक भी लोगों को देखने को मिली।

शो में मशहूर सुपरमॉडल दीप्ति गुजरेल ने रैम्प पर चलकर फैशन और ग्रेस का शानदार संगम पेश किया। वहीं, दृष्टिहीन (नेत्रहीन) लड़कियों की दिल छू लेने वाली संगीतमय प्रस्तुति ने हर किसी का दिल जीत लिया। इसके अलावा नाट्य कलाकारों द्वारा प्रस्तुत 'सिंदूर एक्ट' ने भारतीय नारी शक्ति और परंपरा को दमदार सामाजिक संदेश के साथ मंचित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं प्रसिद्ध फैशन ब्रांड 'रिवाज़' की मालिक मिसेज़ नीर चौधरी, जिन्होंने शो की तारीफ करते हुए कहा कि यह सिर्फ फैशन का मंच नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और जड़ों से जुड़ने का एक खूबसूरत जरिया है।

कुशाल्स ज्वेलरी, ट्राइब अम्रपाली, मोहनलाल एंड संस जैसे मॉल ब्रांड्स ने भी इस इवेंट में सक्रिय भागीदारी निभाई। इतना ही नहीं, आने वाले हफ्ते में फीनिक्स शॉपिंग फेस्टिवल और भी मज़ेदार होने वाला है। 4 और 5 जुलाई को इंदौर कॉमेडी फेस्टिवल का आयोजन होगा, जिसमें 8 शानदार स्टैंड-अप कॉमेडियन्स अपने चुटीले अंदाज़ में दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।

डॉ. प्रवीण अग्रवाल की 34 वर्षों की सेवा को समर्पित जनजागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता ● इंदौर

कहा जाता है कि एक अच्छा डॉक्टर न केवल जीवन बचाता है, बल्कि एक स्वस्थ समाज का निर्माण भी करता है। यह बात केयर सीएचएल हॉस्पिटल में आयोजित उस कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से झलकती है, जिसमें वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. प्रवीण अग्रवाल की 34 वर्षों की निःस्वार्थ चिकित्सा सेवा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर न केवल उनके योगदान का सम्मान किया गया, बल्कि हड्डी और मांसपेशियों से जुड़ी समस्याओं पर एक विशेष जनजागरूकता सत्र का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अग्रवाल द्वारा उपचारित कुछ मरीजों ने मंच पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे ऑपरेशन के एक दिन बाद ही वे पैरों पर खड़े हो गए, 3 से 4 दिन में सीढ़ियाँ चढ़-उतर सके और महज 4-5 हफ्तों में 5 किलोमीटर तक चलने में सक्षम हो गए। कुछ ही महीनों में वे अपनी सामान्य जीवनशैली में लौट आए। इस अवसर पर केयर हॉस्पिटल द्वारा डॉ. अग्रवाल को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि मंच पर तीन पीढ़ियों के रोगियों ने अपनी भावनाएं साझा कीं। एक 20 वर्षीय युवक जिसके ट्रेन हादसे में दोनों पैर चले गए लेकिन डॉ अग्रवाल ने उनका उपचार किया, वहीं एक 90 साल के बुजुर्ग जिनकी हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी की गई, वे कार्यक्रम में उपस्थित हुए और डॉक्टर अग्रवाल एवं केयर सीएचएल की सेवाओं की सराहना की। डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हड्डियों और मांसपेशियों की समस्याएं अब केवल उम्रदराज़ लोगों तक सीमित नहीं रहीं। बदलती जीवनशैली, शारीरिक निष्क्रियता और अनुचित खानपान के कारण यह समस्याएं युवाओं और बच्चों में भी तेजी से बढ़ रही हैं।

फेलिना फैशन एवं कल्चर शो - सीजन 4 में दिखे अनोखे डिज़ाइन

संवाददाता ● इंदौर

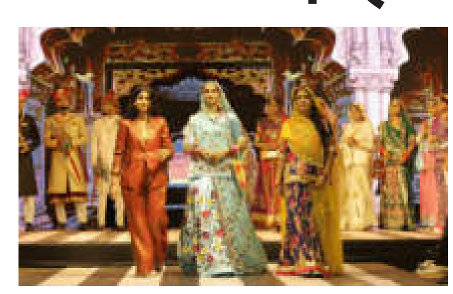

फिनिक्स सीटाडेल में आयोजित फेलीना फैशन एवं कल्चर शो सीजन 4 ने फैशन की दुनिया में एक नई पहचान बनाने के नए अवसर तैयार किए। इस भव्य इवेंट में सभी पार्टिसिपंट्स ने अपनी अनोखी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। क्राउन विनर रही मिसेस रेखा शिंदे (कटनी)।

फेलीना फैशन एवं कल्चर शो सीजन 4 का उद्घाटन एक भव्य समारोह के साथ हुआ, जिसमें फैशन की दुनिया के नवीनतम रुझानों और डिज़ाइनों की झलकियाँ पेश की गईं। डिज़ाइनरों ने अपने कलेक्शंस को पेश करते हुए आधुनिक और ट्रेडिशनल स्टाइल्स का उत्कृष्ट मिश्रण प्रस्तुत किया। विशेष रूप से, सिल्वर हैंडमेड कलेक्शन ने दर्शकों के दिलों में खास स्थान बनाया और शो को एक नया आयाम प्रदान किया।

इस इवेंट का एक महत्वपूर्ण पहलू था दृष्टीबधित बालिकाओं की सहभागिता फैलीना फैशन एवं कल्चर शो सीजन 4 ने उन्हें वह मंच दिया जो उनके लिए लाइफ चेंजिंग मोमेंट बन सकता है इस मंच के माध्यम से उन्हें समाज में एक नई पहचान मिलेगी जो उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। ऑपरेशन सिंदूर की तर्ज पर 'सिंदूर एक्ट' की परफॉरमेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके साथ ही कॉलेज के छात्र जिन्होंने अभी अपना करियर की शुरुआत फैशन डिज़ाइइंग से की है उन्हें अपने डिज़ाइन पेश करने का एक अनूठा मंच मिला, जिससे उन्होंने अपनी रचनात्मकता और एंटरप्रेन्योरशिप को प्रोत्साहित किया। यह मंच युवा डिज़ाइनरों को अमूल्य अनुभव प्रदान करता है और उनके भविष्य को संवारने में मदद करता है।

इंग्लैंड और जर्मनी के बीच होगा खिताबी मुकाबला

ब्रातिस्लावा (स्लोवाकिया)। इंग्लैंड और जर्मनी के बीच अंडर-21 यूरोपीय चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। यह ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता एक बार फिर मैदान पर देखने को मिलेगी, जहां दोनों टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी। इंग्लैंड इस टूर्नामेंट का डिफेंडिंग चैंपियन भी है। 2023 में हुए खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड ने स्पेन को 1-0 से हराया था। जर्मनी ने उससे पहले 2021 में हुए टूर्नामेंट को अपने नाम किया था। दोनों ही टीमें 3-3 बार यह खिताबी जीत चुकी हैं। दोनों टीमों के बीच हुए ग्रुप स्टेज के मैच में जर्मनी ने 2-1 से जीत हासिल की थी। इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में नीदरलैंड्स को हराया था, जिसमें लिवरपूल के युवा स्टार हार्वी इलियट ने दो शानदार गोल दागकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया। अब इंग्लैंड एक और जीत से अपने यूरोपीय चैंपियन का खिताब बचाने के बेहद करीब है। दूसरी ओर, जर्मनी का प्रदर्शन इस टूर्नामेंट में अब तक बेजोड़ रहा है। टीम अपने पिछले 20 मुकाबलों में अजेय रही है और उन्होंने सेमीफाइनल में फ्रांस को 3-0 से करारी शिकस्त दी थी।

टेनिस स्टार के बयान ने मचाई सनसनी

एम्मा और अल्कराज के बीच क्या पक रहा है ?

एजेंसी ● नई दिल्ली

विंबलडन 2025 से पहले एम्मा राडुकानू और कार्लोस अल्कराज चर्चा में हैं। इसकी वजह एम्मा का एक बयान है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनसे पूछा गया कि क्या वह अल्कराज को डेट कर रही हैं तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जो जवाब दिया, उसने फैंस को सोचने पर मजूबर कर दिया है।

दरअसल, ब्रिटिश टेनिस स्टार एम्मा राडुकानू ने विंबलडन 2025 से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने पांच बार के ग्रैंड स्लैम स्पेनिश विजेता कार्लोस अल्कराज के साथ डेटिंग की अफवाहों को खरीज कर दिया। उन्होंने कहा कि वह और अल्कराज अच्छे दोस्त हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकार ने एम्मा से पूछा

आपकी और अल्कराज की दोस्ती को लेकर जो अफवाहें उड़ रही हैं क्या इसमें कोई सच्चाई है? एम्मा राडुकानू और कार्लोस अल्कराज दोनों यूएस ओपन के मिक्स्ड डबल्स में एक साथ खेलेंगे। दोनों को एक साथ ट्रेनिंग लेते हुए देखा गया था। एम्मा को क्वींस क्लब में एचएसबीसी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल मैच के दौरान अल्कराज का उत्साहवर्धन करते हुए देखा गया था।

उभरते हुए स्टार हैं दोनों

इसके बाद से दोनों के बीच अफेयर होने की चर्चा आम हो गई थी। बता दें कि राडुकानू को साल 2021 यूएस ओपन के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। उन्हें लेयला फर्नांडीज ने हराकर खिताब जीता था। वहीं, साल 2022 में अल्कराज ने यूएस ओपन जीता। दोनों उभरते हुए स्टार खिलाड़ी हैं और पहली बार मिक्स्ड डबल्स में एक साथ खेलते हुए दिखाई देंगे। एक साथ खेलने को लेकर भी एम्मा से सवाल पूछा गया था। इसके जबाव में एम्मा ने कहा कि अल्कराज ने प्रस्ताव रखा था, जिसके जवाब में राडुकानू ने हां कर दी थी।

दैनिक आदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, सोमवार, 30 जून, 2025
www.adityabharat.com

नैरोबी, केन्या। संसद पर हमले की पहली वर्षगांठ के अवसर पर नैरोबी शहर के केंद्र में जलते हुए बिलबोर्ड के पास सुरक्षा बलों के सदस्य एकत्रित हुए। हज़ारों केन्याई लोग पिछले साल के विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए 60 से अधिक लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए सड़कों पर उतरे, जिसका चरम 25 जून को संसद पर हमले के प्रयास के साथ हुआ, जबकि अंदर मौजूद सांसदों ने कर बढ़ाने के लिए कानून पारित किया।

शॉट न्यूज

उड़ान में जलने की बदबू बीच रास्ते से लौटी फ्लाइट

मुंबई। टाटा ग्रुप के मालिकाना हक वाले एयर इंडिया की एक फ्लाइट को बीच रास्ते से मुंबई लौटाना पड़ा जब यात्रियों और क्रू मेंबर्स को केबिन में जलने की बदबू महसूस हुई। यह घटना AI 639 फ्लाइट में हुई जो मुंबई से चेन्नई जा रही थी। घटना शुक्रवार रात की है और फ्लाइट में सवार सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। एयर इंडिया ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एयर इंडिया ने कहा है कि यह कदम सावधानी के तौर पर उठाया गया. सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ. कंपनी ने यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से रवाना करने की व्यवस्था की और ग्राउंड स्टाफ ने यात्रियों को हर तरह की सहायता उपलब्ध कराई। हमारी प्राथमिकता यात्रियों और क्रू की सुरक्षा है। फिलहाल, टेक्निकल टीम यह जांच कर रही है कि आखिर विमान में जलने की बदबू क्यों आई।

फिदायीन हमले में 16 सैनिकों की मौत, 25 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को एक आत्मघाती हमला हुआ। इसकी चपेट में आने से 16 सैनिकों की मौत हो गई और 25 लोग घायल हैं, जिनमें सैन्यकर्मी और नागरिक दोनों शामिल हैं। एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने बताया कि आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटक से लदे वाहन को सैन्य काफिले में टक्कर मार दी। इससे 16 सैनिकों की जान चली गई और 6 सैन्यकर्मी व 19 नागरिक घायल हो गए। हमले में दो घरों की छतें ढह गईं, जिसके कारण छह बच्चे भी घायल हुए हैं। पाकिस्तान तालिबान की हाफिज गुल बहादुर शाखा ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। एक प्रशासनिक अधिकारी के अनुसार, 4 घायल सैनिकों की हालत गंभीर है। मालूम हो कि अफगानिस्तान में 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में हिंसा में तेजी आई है।

चीनी घुसपैठ को करारा जवाब

भारत की श्रीलंका के साथ डॉकयार्ड डील

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत की प्रमुख रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) ने श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड, कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी (सीडीपीएलसी) में नियंत्रण हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा की है। यह सौदा 52.96 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 452 करोड़ रुपये) का है। यह भारत की किसी सरकारी रक्षा शिपयार्ड कंपनी द्वारा किया गया पहला अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण होगा और इसके जरिए भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में एक "रणनीतिक उपस्थिति" मिलेगी।

जवाब

यह सौदा ऐसे समय में हुआ है जब चीन की सैन्य और आर्थिक घुसपैठ श्रीलंका सहित पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

क्षेत्रीय समुद्री शक्ति बनाएगी डील - मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी रक्षा शिपयार्ड कंपनी है। इसने कोलंबो डॉकयार्ड में कम से कम 51% हिस्सेदारी हासिल करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अधिग्रहण प्राथमिक पूंजी निवेश और द्वितीयक शेयर खरीद के संयोजन के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें जापान की ओनोमिची डॉकयार्ड कंपनी लिमिटेड से शेयरों की खरीद शामिल है, जो वर्तमान में सीडीपीएलसी की बहुसंख्यक हिस्सेदार है। यह सौदा नियामक अनुमोदन और अन्य सामान्य शर्तों के अधीन है, और इसके चार से छह महीने में पूरा होने की उम्मीद है। सौदे के पूरा होने पर, कोलंबो डॉकयार्ड भारत की एमडीएल की सहायक कंपनी बन जाएगी। एमडीएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक कैप्टन जगमोहन ने बताया, "CDPLC में नियंत्रण हिस्सेदारी का प्रस्तावित अधिग्रहण हमारे शिपयार्ड को एक क्षेत्रीय समुद्री शक्ति और आगे चलकर एक वैश्विक शिपबिल्डिंग कंपनी में बदलने की दिशा में एक 'गेटवे' है।" उन्होंने कहा, "कोलंबो पोर्ट पर CDPLC की रणनीतिक स्थिति, इसकी सिद्ध क्षमताएं और क्षेत्रीय उपस्थिति, एमडीएल को दक्षिण एशिया में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगी।"

50 से अधिक वर्षों का अनुभव

CDPLC के पास जहाज निर्माण, मरम्मत और भारी इंजीनियरिंग का 50 से अधिक वर्षों का अनुभव है। यह कंपनी जापान, नॉर्वे, फ्रांस, यूएई, भारत और कई अफ्रीकी देशों के लिए जटिल ऑफशोर सपोर्ट वेसल, केबल-लेइंग जहाज, टैंकर और गश्ती नौकाएं बना चुकी है। CDPLC वर्तमान में लगभग 300 मिलियन डॉलर की परियोजनाओं पर काम कर रही है, जिसमें केबल-लेइंग शिप, मल्टीपर्पज यूटिलिटी शिप और फ्लीट सपोर्ट वेसल्स शामिल हैं। एक MDL अधिकारी ने कहा, "MDL के तकनीकी सहयोग, भारतीय सप्लाई चैन तक पहुंच और भारतीय व मित्र देशों के समुद्री बाजारों में प्रवेश के साथ, CDPLC अब वित्तीय पुनरुद्धार और दीर्घकालिक विकास के लिए तैयार है।

ईरानी विदेश मंत्री की ट्रम्प को चेतावनी

कहा- खामेनेई के खिलाफ गलत भाषा का इस्तेमाल बंद करें

तेहरान ● एजेंसी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी दी है कि वे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल बंद करें। अराघची ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ट्रम्प का यह रवैया न सिर्फ खामेनेई का बल्कि उनके लाखों समर्थकों का भी अपमान करता है। ट्रम्प अगर ईरान से कोई समझौता चाहते हैं तो उन्हें अपनी भाषा बदलनी होगी। अराघची का यह बयान ट्रम्प के उस दावे के बाद आया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि उन्होंने खामेनेई को मरने से बचाया, नहीं तो उनकी बहुत बुरी मौत होती। अराघची ने इजराइल पर भी तंज किया। उन्होंने कहा कि जब ईरानी मिसाइलें गिरती हैं तो इजराइल डर के मारे 'डैडी के पास भागने' को मजबूर हो जाता है। ट्रम्प को पहली बार नाटो चीफ मार्क रूटे ने मजाकिया अंदाज में 'डैडी' कहा था। दरअसल, ट्रम्प इजराइल और ईरान पर सीजफायर तोड़ने को लेकर नाराज थे। इस दौरान उन्होंने अपशब्द का इस्तेमाल कर दिया था। इसके जवाब में नाटो चीफ ने मजाक में कहा, 'डैडी को कभी-कभी कठोर भाषा का इस्तेमाल करना पड़ता है ताकि उन्हें रोका जा सके।' बाद में यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के उस दावे को झूठा करार दिया, जिसमें उन्होंने इजराइल के खिलाफ जंग में जीत की ऐलान किया था।

ट्रंप का खामेनेई पर तीखा हमला

तुम्हें बुरी तरह हराया गया अब नरक में हैं आप

वॉशिंगटन ● एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयतुल्लाह अली खामेनेई पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वह हकीकत से मुंह मोड़ रहे हैं। साथ ही कहा कि उन्हें बुरी तरह हराया गया है।

हमला

ट्रंप की यह प्रतिक्रिया खामेनेई के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान ने अमेरिका और इजरायल को करारा जवाब दिया है और इस युद्ध में जीत हासिल की है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर कहा कि 12 दिन के इजरायली और अमेरिकी हमले ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। ट्रंप ने कहा कि आप (खामेनेई) एक धार्मिक और देश में सम्मानित व्यक्ति हैं। आपको सच बोलना होगा। ट्रंप ने खामेनेई को लेकर कहा कि अब आप नरक में पहुंच गए हैं। ट्रंप ने यह बात उस समय कही जब खामेनेई ने जोर देकर कहा कि तेहरान ने कतर में अमेरिकी एयरबेस पर हमला करके अमेरिका के मुंह पर तमाचा मारा है और ईरान पर अमेरिका या इजरायल द्वारा आगे और हमले करने के खिलाफ चेतावनी दी है। ट्रंप ने बड़ा खुलासा करते हुए यह भी कहा कि युद्ध के शुरुआती दिनों में इजरायल ने एक प्लान बनाया था, जिसमें खामेनेई को मारने की बात थी। लेकिन मैंने खुद उस योजना को वीटो कर दिया। क्योंकि मैं जानता था खामेनेई कहां छुपे हुए हैं। मैंने जानबूझकर उन्हें नहीं मरने दिया। मैंने उन्हें एक बेहद भयानक और अपमानजनक मौत से बचाया। इसके लिए उन्हें मुझसे 'धन्यवाद' कहने की ज़रूरत नहीं है। मैं आपको बता सकता हूं, वे थक चुके हैं। इज़राइल भी थक चुका है।

ट्रंप ने IAEA जांच की बात दोहराई

ट्रंप ने कहा कि भविष्य में बातचीत के दौरान ईरान को IAEA (अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) या किसी अन्य भरोसेमंद संस्था को जांच की अनुमति देनी होगी, ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि ईरान दोबारा परमाणु कार्यक्रम शुरू नहीं कर रहा है। व्हाइट हाउस के अधिकारियों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच जल्द ही बातचीत फिर से शुरू हो सकती है। हालांकि, इस महीने की शुरुआत में ओमान में होने वाली छठे दौर की बातचीत इज़रायली हमले के बाद रद्द कर दी गई थी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)